ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष -10, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 361 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
16 जून 2024 रविवार

आज का मौसम
39 अधिकतम
28 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

उज्जैन में बनेगा एयरपोर्ट, शाम को भोपाल में केन्द्रीय मंत्रियों का सम्मान

नया हवाई सेतु सीएम ने किया शुरू शिवराज का जोरदार भोपाल रिटर्न्स

उज्जैन/ इंदौर दोपहर मेट्रो।

पीएमश्री पर्यटन वायुसेवा से आज उज्जैन व इंदौर भी जुड गया। पहले दिन उज्जैन और भोपाल की उड़ानें संचालित हो रही हैं। इसके लिए दोनों शहरों के विमान में बुकिंग फुल है। खास बात यह है कि इसमें यात्रा करने वाले यात्रियों को एक माह तक 50 प्रतिशत की छूट टिकट पर दी जाएगी। कुछ ही दिन पहले भोपाल से भी यह सेवा शुरू हुई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में 'पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा' के संचालन का शुभारंभ किया। सीएम ने कहा कि हनुमानजी की पूंछ की तरह उज्जैन में विकास कहां जाकर रुकेगा पता नहीं। उज्जैन में जल्द ही एयरपोर्ट भी बनेगा। इसके लिए भारत सरकार ने प्रस्ताव स्वीकृत कर दिया है। इंदौर में पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा का पहला विमान उज्जैन व भोपाल के लिये देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से रवाना होकर 30 मिनट में विमान उज्जैन पहुंच जाएगा। वहीं उज्जैन में रविवार को अमृत सिद्धि योग में गंगा दशहरा मनाया गया।

6 सीटर विमान में पहले दिन दोनों शहरों के लिए सीटें फुल

पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा में यात्रियों को एक माह तक 50 प्रतिशत छूट किराये में दी जा रही है। इस वजह से अभी इंदौर से उज्जैन की यात्रा महज 1125 रुपये में हो रही है। वहीं भोपाल से ग्वालियर, रीवा और जबलपुर के लिए भी आधा किराया चुकाना पड़ रहा है। एक माह बाद पूरा किराया चुकाना होगा। अभी उज्जैन की अपेक्षा भोपाल की सीटें अधिक बुक हो रही हैं।

आज मोदी के मंत्रियों का स्वागत करेगी भाजपा

सड़कों पर सजे स्वागत मंच ट्रेन से पहुंचे शिवराज

भोपाल। आज केंद्र की मोदी कैबिनेट में शामिल मप्र के छह मंत्रियों का भाजपा कार्यालय में जोरदार स्वागत करने की तैयारी सुबह से जारी है। आज सड़कों पर जगह जगह स्वागत मंच नजर आ रहे हैं। सम्मान समारोह भाजपा कार्यालय में होगा। इसके लिये कृषि ग्रामीण विकास मंत्री बनने के बाद शिवराज सिंह चौहान आज दोपहर पहली बार भोपाल आ रहे हैं। उनके स्वागत के लिए मंच बने हुए हैं। शिवराज दिल्ली से शताब्दी एक्सप्रेस से रवाना होकर भोपाल पहुंच रहे हैं। जहां भी ट्रेन रुक रही है शिवराज का स्वागत किया जा रहा है।

इस दौरान पूर्व सीएम और अब केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह का अलग अंदाज देखने को मिला। उन्होंने ट्रेन के गेट पर खड़े होकर कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। उनके पीछे उनकी पत्नी साधना सिंह भी दिखीं। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से बातचीत भी की। शिवराज ट्रेन में बैठकर अखबार पढ़ते हुए भी नजर आए। वहीं शिवराज बच्चों को दुलारते हुए भी नजर आए। उन्होंने कई बच्चों के साथ सेल्फी भी ली।

इधर भाजपा महामंत्री भगवानदास सबनानी ने कहा है कि शाम पांच बजे कार्यालय में अभिनंदन समारोह होगा। इसमें सभी 6 केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, वीरेन्द्र कुमार,ज्योतिरादित्य सिंधिया, एल.मुरूगन, दुर्गादास उईके, सावित्री ठाकुर का अभिनंदन होगा। इसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, हितानंद के साथ कोर ग्रुप के सदस्य, अन्य मंत्री व पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

नेता प्रतिपक्ष पद का मामला

राहुल गांधी पर बढ़ा दबाव दिग्विजय ने रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस के भीतर अब पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका स्वीकार करने की मांग ने जोर पकड लिया है। गौरतलब है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद पिछली दो लोकसभा में कांग्रेस 10 फीसदी सीटें भी नहीं ला पाई थी, जिसके चलते उसे नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं मिला। इस बार पार्टी को 99 सीटें मिली है। इसके बाद कांग्रेस का नेता प्रतिपक्ष के पद का दावा बन गया है। हाल में कांग्रेस वर्किंग कमिटी की मीटिंग से लेकर कांग्रेस संसदीय दल की बैठक और अन्य मुलाकातों में ग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित तमाम नेताओं ने एक सुर से राहुल गांधी के सामने अपनी मांग रखी है। बताया जाता है कि दिग्विजय ने प्रस्ताव रखा है कि राहुल अध्यक्ष पद स्वीकार करें,इस पर कांग्रस के दो मुख्यमंत्रियों ने समर्थन भी किया है। उधर इस मांग पर राहुल गांधी ने सोचने के लिए कुछ वक्त मांगा है। माना जा रहा है कि कांग्रेस प्रियंका गांधी को चुनावी राजनीति में उतारने के फार्मूले पर भी तेजी से काम रही है, उन्हें उपचुनाव लड़ाए जाने की तैयारी है या राज्यसभा में भेजे जाना का विकल्प भी है।

भारत में ईवीएम ब्लैकबाक्स की तरह, जांच की इजाजत नहीं

विपक्ष इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का मुद्दा जमकर उठाता रहा है। अभी यह मामला थमा सा था कि एलन मस्क के बयान के बाद फिर सिर उठा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ईवीएम को लेकर सवाल खड़े किये हैं। राहुल ने मस्क की पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा- 'भारत में ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, किसी को भी उनकी जांच करने की अनुमति नहीं है। हमारी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएँ जताई जा रही हैं। जब संस्थाओं में जवाबदेही की कमी होती है, तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी की संभावना बढ़ जाती है।'

मुंबई घटना का जिक्रः राहुल ने मुंबई की घटना का जिक्र किया है। इसमें पुलिस ने ईवीएम को लेकर शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविन्द्र वायकर के साले मंगेश पांडिलकर के खिलाफ केस दर्ज किया है, जिसने चुनाव सेंटर के अंदर पाबंदी के बावजूद मोबाइल का इस्तेमाल किया था।

पुणे के बाद नागपुर में हिट एंड रन, कई जखमी

नागपुर। पुणे पोर्श कांड को लोग अभी भूल भी नहीं पाए कि नागपुर में हाई स्पीड कार की वजह से सड़क दुर्घटना का मामला आया है। वेंकटेशनगर चौक में केडीके कॉलेज के पास एक नाबालिग स्कोडा कार चला रहा थे जो नियंत्रण से बाहर हो गई। कार ने पहले सड़क किनारे खड़े कुछ दोपहिया वाहनों को टक्कर मारी और फिर फल-सब्जी विक्रेताओं और कुछ राहगीरों की भीड़ में घुस गई। कार आखिरकार सड़क किनारे एक पेड़ से टकराने के बाद रुकी। फल और सब्जी विक्रेताओं सहित पांच लोग जख्मी हो गए। दो की हालत गंभीर बनी हुई है। गुस्साई भीड़ ने नाबालिक को कार से बाहर खींच कर सड़क पर खींचा और बुरी तरह से मारा, जिससे वह मरने तक की कगार पर पहुंच गया। बाद में कुछ लोगों से उसे छुडाया।

कश्मीर के हालातों पर शाह ने बुलाई उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए हाई लेवल बैठक कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में पिछले दिनों एक के बाद एक हुए तीन हमलों के बाद यह बैठक अहम है। चूंकि 29 जून से अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने जा रही है। लिहाजा आज बैठक के बाद आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज करने के लिए व्यापक दिशा निर्देश भी जारी किए जा सकते हैं। केंद्र शासित प्रदेश में गृह मंत्री 29 जून से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारी की भी समीक्षा करेंगे।

दिल्ली की पाइपलाइन काटने का आरोप लगाया आप ने

नई दिल्ली एजेंसी। बीते कई दिनों से राजधानी दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच जल संकट कायम है। इसके चलते जबर्दस्त सियासी खींचतान चल रही है। दिल्ली सरकार की जल मंत्री आतिशी मार्लेना ने आरोप लगाया है कि दिल्ली में पानी की पाइप लाइन काटने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने पुलिस से पाइल लाइन की सुरक्षा की मांग की है। इस बीच आज भाजपा जलसंकट को लेकर बड़ा विरोध प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस के साथ ही भाजपा का आरोप है कि केजरीवाल सरकार की अव्यवस्था के कारण यह स्थिति बनी है।

मेट्रो एंकर | 13 राज्यों में चार दिन बड़ी राहत के आसार नहीं...

इधर पहाड़ों पर गर्मी बेकाबू उधर जंगल में आग

नई दिल्ली/देहरादून एजेंसी।

मानसून की सही समय पर दस्तक के बाद भी अभी तक उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्से को अगले चार पांच दिन तपती गर्मी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग ने पंजाब और हरियाणा समेत 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भीषण लू का अलर्ट जारी किया है। देश के उत्तरी हिस्सा भीषण गर्मी की चपेट में है तापमान 44 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। आईएमडी ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर के जम्मू संभाग, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के निचले और मैदानी क्षेत्रों में अगले चार दिन तक लू चलने की चेतावनी जारी की है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, उत्तरी राजस्थान और उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश में भी भीषण गर्मी पड़ेगी और तेज गर्म हवाएं चलेंगी। उधर बिहार में भीषण गर्मी कहर बरपा रही है। पिछले 24 घंटे में पांच जिले में 13 लोगों की मौत हो गई। सबसे अधिक औरंगाबाद में पांच लोगों ने अपनी जान गंवा दी। वहीं सारण और गया में तीन-तीन लोगों की मौत हुई।

दहक रहे उत्तराखंड के जंगल

उत्तराखंड के जंगलों की आग बेकाबू होती जा रही है। नवंबर से जारी आग की एक हजार से अधिक घटनाओं में करीब डेढ़ हजार हेक्टेयर वन भूमि पर लदी हरियाली जलकर नष्ट हो चुकी है। बिनसर समेत अलग-अलग घटनाओं में अब तक 10 लोगों की जान चली गई और नौ लोग घायल हो चुके हैं। हालांकि प्रशासन आग पर काबू पाने के लिए समय-समय पर वायुसेना के हेलिकॉप्टरों की मदद ले रहा है, लेकिन आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका।

मक्का में गर्मी से हजयात्रियों की मौत

हज के दौरान पारा 48 डिग्री सेल्सियस तक पारा पहंचने की चेतावनी के बीच मक्का में भीषण गर्मी के कारण अब तक छह हज यात्रियों की मौत हो चुकी है। यह छह मृतक जॉर्डन के नागरिक हैं। मौतों की खबर तब आई जब तीर्थयात्री शनिवार को माउंट अराफात पर इकट्ठा हुए थे, जो हज यात्रा का मुख्य कार्यक्रम है। बताया जाता है कि इस साल 18 लाख से ज्यादा लोग हज में हिस्सा ले रहे हैं। हज दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में से एक है।

तपती दुपहरी ठंडक की तलाश

भोपाल। टेंट व्यवसाईयों की महिला विंग के अधिवेशन में जुटी महिलाओं तपती गर्मी में जब आइसक्रीम खाई तो उनको तपती दुपहरी में राहत मिली। **फोटो निर्मल व्यास**

आयोग ने जिन बच्चों को रेस्क्यू किया, उन्हें पुलिस ने किया गायब!

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष कानूनगो नाराज हुए तो देर रात थाने पहुंचे पुलिस के अधिकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सोम डिस्लरी पर कार्रवाई ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सीएम मोहन यादव देर कह चुके हैं कि वे मामले को गंभीर मानते हैं और कड़ी कार्रवाई कराएंगे तो वहीं राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने पूरी कार्रवाई पर ही सवाल उठा दिया है। मीडिया में उनका बयान है कि सोम डिस्लरी से उन्होंने जिन बच्चों को रेस्क्यू कराकर पुलिस के सुपुर्द किया था उन बच्चों को भगा दिया गया और कमजोर धाराओं में कार्रवाई की गई। शनिवार देर रात को यह आरोप वह थाने में भी लगा चुके हैं, जिसके बाद भोपाल से पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल पहुंचा था, जिसमें शामिल अधिकारियों ने मामले में ठोस कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

असल में रायसेन के सेहतगंज स्थित डिस्टलरी में बड़ी संख्या में नाबालिग बच्चों से शराब बनवाने का काम लिया जा रहा है। बचपन बचाओ नामक एक एनजीओ की शिकायत पर शनिवार दोपहर बाल संरक्षण आयोग की टीम ने फैक्टरी में पहुंचकर यह भंडाफोड़ किया। शुरू में दावा किया गया कि यहां से 59 नाबालिग बच्चों को मुक्त कराया गया है। पुलिस ने शराब मामला दर्ज कर लिया । वहीं देर रात को आबकारी आयुक्त ने प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी व तीन निरीक्षकों को भी निलंबित कर दिया।

इधर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो का कहना है कि निरीक्षण के दौरान फैक्टरी में बच्चे शराब बनाने का काम करते मिले। यह भी पता चला था कि इन बच्चों को किसी स्कूली बस से लाया जाता था फिर बसों से उन्हें वापस घर छोड़ा जाता था। कुछ बच्चों के हाथ की त्वचा बुरी तरह झुलस गई थी। ज्ञात हो कि मामला संज्ञान में आने पर सीएम ने एक्स पर प्रतिक्रिया दी थी कि फैक्टरी पर छापे के दौरान बालश्रम का मामला मेरे बेहद गंभीर है। इस के कुछ देर बाद आबकारी विभाग के जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो गई। इधर प्रियंक कानूनगो का कहना है कि रायसेन जिला प्रशासन व पुलिस ने डिस्लेरी प्रबंधन को बचाया है व जमानती धाराओं में अपराध दर्ज किया है।

सीएम का रुख देखकर अफसर हुए सतर्क

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के तीन मामलों में लिया संज्ञान

जेपी अस्पताल में बिना फोन नहीं बन पर रहे पर्चे, स्वास्थ्य आयुक्त से रिपोर्ट तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने राजधानी स्थित जय प्रकाश जिला चिकित्सालय में नई व्यवस्था लागू होने के बाद मरीजों को पर्चा बनवाने के लिए कई दिक्कतों का सामना करने के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग ने आयुक्त, संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं म.प्र. संचालनालय को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने मरीजों के स्वास्थ्य प्राप्ति के मौलिकध्मानव अधिकार को तकनीकी आवश्यकता के आधार पर वंचित नहीं किये जाने और व्यवस्थाओं में मरीजों को प्राथमिकता (विशेषकर बुजुर्ग एवं महिलायें जो नवीन तकनीकी ज्ञान नहीं रखते है) एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में प्रदेश के सभी चिकित्सालयों को आवश्यक निर्देश देने सम्बन्धी प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है। आयोग की जानकारी में आया है कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत शुरू की गई है नई व्यवस्था के चलते मरीजों के पर्चे बिना मोबाइल फोन के नहीं बन पा रहा है।

बदबू और कचरे के ढ़ेर से रहवासी परेशान-

भोपाल शहर के वार्ड नं. 83 के सनखेड़ी के कटियार मार्केट और ओम नगर क्षेत्र में कचरे की बदबू और ढेर से रहवासियों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं आयुक्त, नगर निगम भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन मांगा है।

नाले की वॉल टूटी, दूषित पानी घरों में घुस रहा

भोपाल के अंबेडकर नगर में स्थित नाले की वॉल टूटने के कारण दूषित पानी ओवरफ्लो होकर रहवासियों के घरों में जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में रहवासियों द्वारा नगर निगम में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन नाल अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं आयुक्त, नगर निगम भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन मांगा है।

स्कूल शिक्षा अभियान

प्रदेश के स्कूलों में 18 जून से शुरू होगा प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के स्कूलों में 18 जून से स्कूल शिक्षा अभियान के तहत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आतिथ्य में राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। यह अभियान 20 जून तक चलेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, कार्यक्रम में प्रदेश में सांसद, विधायक किसी एक शाला में सहभागिता करेंगे। स्कूल स्तर पर पूर्व विद्यार्थियों और जनप्रतिनिधियों को भी इसमें आमंत्रित किया जाएगा। 19 जून को स्कूलों में अभिभावकों के साथ बैठक करके

जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री व पुस्तकों का वितरण भी किया जाएगा।

बाबूलाल गौर शासकीय कॉलेज में तैयार की गई वर्मी कम्पोस्ट खाद

भोपाल। भेल क्षेत्र स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण पखवाड़े के अंतर्गत महाविद्यालय में ही तैयार की गई लगभग पंद्रह बोरे वर्मी कम्पोस्ट खाद् का वितरण शुक्रवार को प्रारंभ किया गया। महाविद्यालय की वनस्पति उद्यान प्रभारी डॉ. शीला कुमार ने बताया कि गत एक वर्ष की बेस्ट प्रैक्टिस के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर मे एक गड्ढा खोद कर पत्तियां, केंचुए और गोबर आदि को डालकर यह खाद तैयार की गई हैं, जो अब उपलब्ध रहने तक छात्र-छात्राओं सहित महाविद्यालय परिवार को निःशुल्क वितरित की जा रही है। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने वनस्पति विभाग की इस बेस्ट प्रेक्टिस को एक रोजगारोन्मुखी अभिनव पहल बताया।

हर माह देश भर से संतनगर आते हैं स्वस्थ रहने के टिप्स लेने लोग

आरोग्य केन्द्र में 10 दिनी आवासीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

दिनचर्या में अनुशासन और खान-पान निरोगी काया की गारंटी है। शारीरिक दिक्कतों को भी दूर किया जा सकता है। प्राकृतिक चिकित्सा का आधार खुद के खुद डॉक्टर बनो है। यह समझाने के लिए संतनगर में हर माह प्रशिक्षण एवं रोग निवारण शिविर का आयोजन किया जाता है, देश के विभिन्न हिस्सों से आकर लोग अपनी शारीरिक परेशानियों से राहत की उम्मीद लेकर शिविर में आते है।

आरोग्य केन्द्र संतनगर में 10 दिनी आवासीय शिविर चल रहा है, जिसमें अपक्वाहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योगा, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा,

पोटली मसाज से तमाम बीमारियों का न केवल इलाज किया जा रहा है बल्कि प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। शिविर के पहले दिन उपचार के लिए आए लोगों का पंजीयन किया गया एवं प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों ने परामर्श दिया।

बिना दवा तंदुरूस्त रहें: रेजिडेंशियल मेडिकल ऑफिसरडॉ दिनेश यादव ने बताया कि शिविर का उद्देश्य है बिना दवा तंदुरूस्ती पाना। शिविर में शरीर का शुद्धिकरण कैसे करें यह सिखाया जाएगा। यहां स्वास्थ्यमय जीवन पाने के सूत्र दिए जाएंगे। स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए एक ही उपाय है अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करना। आप अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करेंगे तो ही आप स्वास्थ्य लाभ पा सकेंगे।

यह गतिविधियां होंगी: नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, ध्यानात्मकक्रियाएँ एवं आनंद मेला। बीमारियो को दूर करने में एनिमा, उपवास, अपक्वाहार, नींद, शुभ चिंतन व ग्रीन जूस को अपनाकर सदैव स्वस्थ रहने की कला सिखाई जा रही है।

द्रोपती धनवानी को श्रद्धांजलि दी लोगों ने

सभा में सिंधी साहित्यकार, कलाकारों ने भावांजलि अर्पित की

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी आध्यात्मिक जगत की हस्ती और सिंधी कवियत्री द्रौपती धनवानी को सैकड़ों श्रद्धांजलि दी गई। साहित्यकारों ने उनके साहित्यिक अवदान को याद किया।

बोरवन में आयोजित सभा में अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा की ओर से दीदी द्रोपती जी को श्रद्धांजलि दी गई। सभा के युवा अध्यक्ष अशोक मनवानी ने कहा कि द्रोपदी जी देश की सर्वश्रेष्ठ हिंदी और सिंधी कवयित्रियों में से एक थी। उनके काव्य संग्रह पुरस्कृत भी हुए।वे आध्यात्मिक जगत के साथ ही साहित्य जगत में उन्होंने विशेष स्थान बनाया। अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा से जुड़ी थीं। वरिष्ठ लेखिका आशा शर्मा मुंबई ने

अपने संदेश में कहा कि द्रौपदी धनवानी जी ने एक कठोर दिनचर्या का सदैव पालन किया। हजारों लोगों को आध्यात्म से जोड़ा। वे उत्कृष्ट लेखिका थीं। सेवानिवृत जन संपर्क अधिकारी उमा भार्गव ने कहा कि उन्होंने हिंदी काव्य सृजन में अमूल्य योगदान दिया। रंगमंच निर्देशक अशोक बुलानी ने कहा कि द्रौपदी जी भारतीय स्टेट बैंक से वीआरएस लेने के बाद पूरी तरह आध्यात्मिक क्षेत्र में सक्रिय हो गई थीं। उनका साहित्य सृजन स्मरणीय रहेगा।

मेट्रो एंकर

आने वाले 25 साल अमृत काल, देश हित में दें योगदानः ममतानी

भारत विकास परिषद संतनगर का दायित्व ग्रहण समारोह

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भारत विकास परिषद संतनगर का दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। म.प्र. मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी, डॉ. अनिल कोठारी महानिदेशक, म.प्र. काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी ने अपने विचार रखे। वक्ता प्रो. भूपेन्द्र कुमार प्राध्यापक, अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय की मौजूदगी में परिषद की नई टीम ने पद की शपथ ली।

नंदवानी भवन में आयोजित समारोह में कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ममतानी ने कहा, हमे प्राचीन संस्कृति और संस्कार के साथ आगे बढ़ना होगा। यह समय परिवर्तन का काल है, विकास की रफ्तार तेज है, लेकिन विकास सबके हित में होना चाहिए। विकास में विनाश की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

अगले 25 साल अमृत काल

उन्होंने ने कहा कि अभी हमने देश की आजादी के 75 साल होने पर अमृत महोत्सव मनाया है। अगले 25 साल अमृत काल है, अमृत काल बोलकर कुछ नहीं होगा। सभी को अपना योगदान देश हित में देना होगा। अमृतमयी बनाना होगा अमृतकाल को। विकास कभी-कभी परेशान करता है, उसमें सर्वमान्यता की कमी होती है। आज दुनिया मानती है ऐसा विकास होना चाहिए जो हर क्षेत्र में हर व्यक्ति के लिए हित में हो। 2030 तक लिए दुनिया ने अपने गोल तय किए हैं। भारत को भी उसमें योगदान देना है।

2045 के लक्ष्य पहले पूरे होंगे

उन्होंने कहा कि भारत ने 2045 के लिए लक्ष्य तय किए हैं, लेकिन मानना है कि उससे पहले ही यह लक्ष्य हासिल हो जाएंगे। देश दुनिया में तेजी से खुद को साबित कर रहा है और करेगा। आर्थिक रूप से हम दुनिया की तीसरी ब?ी शक्ति बनेंगे। आत्मनिर्भरता के लिए हमारे प्रयास जिस तेजी से आगे ब? रहे हैं, वह दुनिया में जो अक्श बनाएंगे, उसमें सभी को भारत की महत्वता समझ आएगी।

परिषद की सराहना

ममतानी ने भारत विकास परिषद की मातृभूमि की सेवा में समर्पित सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने यह देशभक्त प्रबुद्धजनों का संगठन है, जो राष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए अपना योगदान देने की प्रेरणा दे रहा है। संस्कार, सेवा और समर्पण का संगठन का लक्ष्य भारत के अमृतकाल को अमृतमयी बनाएगा। कार्यक्रम में डॉ. अनिल कोठारी और प्रो. भूपेन्द्र कुमार ने भी विचार रखे। इस अवसर शिक्षाविद विष्णु गेहानी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इन्होंने ली शपथ

कार्यक्रम परिषद के अध्यक्ष जीटी खेमचंदानी, उपाध्यक्ष कविता इसराणी, दिनेश वाधवानी, सचिव सुरेन्द्र मोतियानी समेत कार्यकारिणी सदस्य हरीश मूलानी, गुलाब जेठानी, राकेश हरपलानी, डॉ. निशा सक्सेना, प्रकाश आसुदानी, डॉ. सुरेश मोटवानी, विमल भंडारी, किशन उदासी, सुंदर किशनानी, कीर्ति तोलानी, राजेश बेलानी, रवि केसवानी, श्याम उदासी, वी एन मोतियानी, महेश दयारामानी, ए सी साधवानी, नवरंग धाकड़, महेश बजाज, मोहन मनवाणी, भारत धनवानी, राजा इसरानी, अमित बिनवानी, प्रकाश रंगवानी ने शपथ ली।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश
अलख जगाता मध्यप्रदेश

क्षिप्रा परिक्रमा गंगा दशहरा उत्सव

जल गंगा संवर्धन अभियान
समापन समारोह

पीएमश्री धार्मिक हेली सेवा संचालन

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री

16 जून 2024 । सायं 5.00 बजे

रामघाट-उज्जैन, मध्यप्रदेश

नदियों एवं जल संरचनाओं के संरक्षण, संवर्धन और पुनरुद्धार को समर्पित

जल गंगा संवर्धन अभियान का जनप्रतिनिधियों एवं प्रदेशवासियों द्वारा संकल्प

मुख्यमंत्री एवं श्रद्धालुओं द्वारा
मां क्षिप्रा की परिक्रमा एवं चुनरी अर्पण तथा पंचामृत अभिषेक

सभी प्रमुख नदियों नर्मदा, चंबल, ताप्ती, सोन, सिंध, वैनगंगा आदि के तट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी और जल क्रीड़ा गतिविधियों का आयोजन

नदियों के किनारे देव स्थलों की सफाई और मंदिर परिसर की स्वच्छता के कार्य

“मां क्षिप्रा की प्रदेशवासियों द्वारा की जा रही सेवा हमारे जल स्रोतों व पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को और अधिक मजबूती दे रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से हमने पूरे प्रदेश में जल स्रोतों के संरक्षण की अलख जगाई है। यह पहल भविष्य में प्रकृति और पर्यावरण को समृद्ध करने में एक बड़ा कदम साबित होगी।”

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन

D-11017/24

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 16 जून 2024 epaper.dopaharmetro.com

मां घर का आंगन हैं तो पिता घर की छत..!

■ डॉ. नाज परवीन

नब्बे के दशक में आई फिल्म 'कयामत से कयामत' तक में मन को छू लेने वाला बहुचर्चित सोंग 'पापा कहते है ब?ा नाम करेगा....'लाखों लोगों के जुबां पर बालकों को बड़े काम करने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ भारतीय विज्ञापनों मे छाया रहा। पुरुषों का भी बड़ चड़-कर अपनी कामयाबी के पीछे किसी न किसी महिला का हाथ होने का दावा पेश करना, पुराना और परंपरागत नारा रहा।अब कहावतों में बदलाव का दौर है। अभी हाल में बोर्ड कक्षा, 10 वीं 12 वीं के परिणामों से लेकर देश की प्रतिष्ठित परीक्षा सिविल सेवा तक मे परचम लहराने वाली बेटियों को उनके पिता गर्व से कहते हैं ÷बेटी हमारा बड़ा नाम करेगी.....÷ यदि पुरुष की कामयाबी के पीछे महिला का हाथ है तो महिलाओं की कामयाबी के पीछे किसी न किसी पुरुष की थपकी, सराहना, विश्वास जरूर शामिल होता है और ज्यादातर मामलों में बालिकाओं को कामयाबी के राह पर शाबासी देने वाले शब्द पिता के ही होते हैं। बेटियों के संघर्ष की सीड़ी पर बिखरे कांटों को चुनने का काम पिता ही कर सकता हैं। कहते हैं मां घर का आंगन तो पिता घर की छत हैं। लेकिन मुझे लगता है वो छत से कहीं आगे पूरे आकाश में फैली ओजोन परत सी रक्षक भूमिका में होते हैं, जिसके संघर्ष हमेशा हमने कम करके आंके और वो हमें हर आग से झुलसने से बचाते रहे। शायद इसीलिए खुदा ने मां के कदमों में जन्नत रख दी और जन्नत का दरवाजा पिता को बना दिया। पिता सबकी हिफाजत का जिम्मा उठाते-उठाते खुद की कीमत का अंदाजा लगाना भूल गए। सदियों से उन्हें समाज ने सख्त, खामोश, गुस्सैल मिजाज की छवि दे रखी है। नारियल से सख्त मिजाज वाले पिता भीतर से बेहद ही नरम होते है। उनके इस तुनक मिजाजी शख्सियत को तोड़ने की हिमाकत खुद उन्होंने भी कभी न की शायद इसीलिए पिता का नाम आते ही ज्यादतर घरों में आज भी खामोशी छा जाती है और मां को इसके उलट हम पाते हैं। पिता होना यकीनन आसान नहीं।पिता के भूमिका समय, काल, परिस्थिति के अनुसार बदलती रही। पहले जो समाज, परंपराओं और मान्यताओं के बाद व्यक्तिगत जीवन में दखल दे पाता था। अब वह पहले से ज्यादा मजबूत और स्वतंत्र दिखाई देते हैं। 21 वीं सदी में वो बेटियों को पराया धन या बोझ नहीं बल्कि अपना दायां कंधा समझते हैं। अब समाज में बड़े फैसले लेने से पहले वो बेटियों से मशवरा भी लेते हैं और उनके उज्जवल भविष्य को प्राथमिकता भी देते हैं। अब बेटियों को विदा करते वक्त लोग हफ्तों पहले से घर में गमगीन माहौल नहीं बनाते। अब तो बेटियों को शादी में नाचते गाते रस्मों को निभाने की नसीहत देते है। समय बदल चुका है। दुआओं में बेटियों के लिए अच्छे वर से पहले अच्छे नंबर और अच्छी जॉब की अपील शामिल होने लगी है। कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया में एक पिता का अपनी बेटी को विदा करते हुए कहना था कि 'लोगों को रोता देख मैं रो दिया वरना बेटी को विदा करके बहुत खुश हुआ था मैं' और एक पिता का ढोल नगाड़े के साथ खुशी-खुशी अपनी बेटी का तलाक लेना, काफी वायरल हुआ था यह आधुनिक पिता के क्रान्तिकारी विचारों का उदाहरण है। अब समाज बदल गया है। लोग अपनी सोच का दायरा विस्तृत करने लगे हैं। आज के पिता बेटियों के सपनों में जान भरने का काम कर रहे हैं। अभी हाल ही में आये यू.पी.बोर्ड और सी.बी.एस.ई. के परीक्षा परिणामों को देखें तो बेटियों ने लगातार अपना दबदबा कायम रखा है। उनकी कामयाबी के पीछे उनके पिता का कठिन संघर्ष झलकता है। ज्यादातर बेटियों ने अपनी कामयाबी का ताज अपने पापा को ही पहनाया। निःसंदेह उनकी कामयाबी उनके पिता के लंबे संघर्ष का ही परिणाम है जो आज लगातार तमाम रिकॉर्ड बेटियां अपने नाम किये जा रही हैं। चन्द नामों की फेहरिस्त पर नजर डाले तो उत्तर प्रदेश की बेटी खुशी माहेश्वरी ने यूपी बोर्ड(हाई स्कूल की परीक्षा) में जिले में 94.17 अंक लाकर अपने जिले में छठवां स्थान प्राप्त किया। उसका कहना था की यह मुकाम उसने अपने पिता नारायण बाबू माहेश्वरी के आशीर्वाद से प्राप्त किया है। वहीं हाथरस की बेटी समीक्षा शर्मा ने 94.17 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। कौशांबी की बेटी प्रियांशी मौर्या ने हाई स्कूल में जिले में टॉप करने के साथ प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त किया है। सिरसागंज के गांव रामकुआं के एक किसान सुबोध कुमार यादव की बेटी रौनक यादव ने इंटरमीडिएट में 500 में से 483 अंक प्राप्त कर अपने परिवार का गौरव बड़ाया। फर्रुखाबाद की बेटी ऋद्धि गुप्ता ने 94.50 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। माही सिंह और सिद्धी ने बराबर-बराबर 94.17 प्रतिशत अंक हासिल किए। शामली से आकांक्षा जिला टॉपर बनी तो उत्तराखंड के देहरादून की रहने वाली रिदा खान ने अपने मां-बाप के साथ-साथ अपने पूरे खानदान को नाज करने की वजह दी है। रिदा खान ने सीबीएसई बोर्ड में 99.4 परसेंट मार्क प्राप्त कर टॉप पोजीशन हासिल की है। लखनऊ की बेटी आरती यादव ने सी.बी.एस.ई. बोर्ड की परीक्षा में 98.6 प्रतिशत अंक लाकर न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया बल्कि समाज के कमजोर तबके के बच्चों के लिए आदर्श बनकर दिखाया। उनके पिता लालू यादव बाटी-चोखा की दुकान चलाकर अपनी बेटी के सपनों में जान भरने का काम कर रहे हैं। यकीनन नंबरों की यह गणित देखने और सुनने में बेहद सरल लग रही होगी लेकिन बेटियों की यह राह आसान नहीं है। आधी आबादी का हिस्सा होने के नाते बेटियों की पड़ाई की जंग को मैं बहुत नजदीक से देखती हूं।मेरे लिए मेरे पिता अंधेरे में जलते चिराग की मानिंद हैं जो हमेशा डर पर फतह हासिल करने की सीख देते रहे। उनका सबके सामने कहना कि देखना मेरी बेटी एक दिन मेरा नाम रोशन करेगी। बड़े ही गर्व की अनुभूति कराता था।पापा का यह विश्वास आज भी मुझे चुनौतियों का सामना करने में हौसला देता है। आज बेटियों का समाज के हर पायदान में विश्वास के साथ खरा उतरना उनके पिता के विश्वास का ही परिणाम है। अब समय बदल चुका है अब पापा कहते हैं बेटी हमारा बड़ा नाम करेगी।

> *कहते हैं मां घर का आंगन तो पिता घर की छत हैं। लेकिन मुझे लगता है वो छत से कहीं आगे पूरे आकाश में फैली ओजोन परत सी रक्षक भूमिका में होते हैं, जिसके संघर्ष हमेशा हमने कम करके आंके और वो हमें हर आग से झुलसने से बचाते रहे। शायद इसीलिए खुदा ने मां के कदमों में जन्नत रख दी और जन्नत का दरवाजा पिता को बना दिया...*

ऐसे शुरूआत हुई फादर्स डे की

हर एक पिता ने अपने सारे संघर्ष का फल अपने बच्चे को दिया है। लेकिन इनकी बात कम होती है। इन्हीं विचारों और भावनाओं से जुड़ा हुआ दिन है फादर्स डे। तो, आइए जानते हैं फादर्स डे कैसे मनाया जाता है। हिस्ट्री डॉट कॉम के अनुसार, 1909 में मदर्स डे के उपदेश को सुनने के बाद, वाशिंगटन की एक स्पोकेन महिला एक ऐसी ही छुट्टी बनाने के लिए प्रेरित हुई, जिसमें पिताओं के लिए जश्न मनाया जाता था। इस लड़की का नाम है सोनोरा स्मार्ट डोड जिनका जन्म 1882 में हुआ था। इन्हीं को फादर्स डे के संस्थापक के रूप में पहचाना जाता है। सोनोरा स्मार्ट डोड ने 1909 में मदर्स डे चर्च सेवा में भाग लेने के बाद इस अनोखे दिन की स्थापना की। उनके पिता, विलियम जैक्सन स्मार्ट, जो कि एक गृह युद्ध के अनुभवी सैनिक थे, उन्होंने उन्हें और उनके पांच भाई-बहनों को एक ही पिता के रूप में पाला। तभी उन्होंने सोचा कि पिता के योगदान को मान्यता दी जानी चाहिए और इसलिए, उन्होंने फादर्स डे की शुरुआत करने के लिए एक अभियान शुरू किया। डोड के अभियान ने सबका ध्यान आकर्षित किया और जल्द ही पहला फादर्स डे 19 जून, 1910 को स्पोकेन, वाशिंगटन, अमेरिका में मनाया गया। इस दिन को पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका में लोकप्रियता मिली और अमेरिकी कांग्रेस ने 1972 में आधिकारिक तौर पर विश्व पितृ दिवस घोषित किया।

रोजमर्रा की आदतों में अनूठे सूत्र कामयाबी के सेल्फ इम्प्रूवमेंट

■ नरेंद्र कुमार

जिंदगी में कामयाब होने के एक नहीं, अनेक रास्ते हैं। लेकिन हर रास्ता, हर किसी को कामयाब बना दे, यह जरूरी नहीं है। लेकिन अपवाद के तौरपर कुछ रास्ते जीवन में ऐसे होते हैं, जो कभी फेल नहीं होते बशर्ते उन पर चलने के लिए हम कमर कस लें, संकल्प लेकर आगे बढ़ें। आइये, जानिये ऐसे ही पांच सीक्रेट, जिन पर चलकर दुनिया का कोई भी इंसान कामयाब हो सकता है।

जल्दी उठने की आदत ; अगर हम जीवन में 25 साल से पहले ही यह नियम बना लें कि रोज सुबह जल्दी उठेंगे तो हमें कामयाब होने से कोई नहीं रोक सकता। इस नियम के पीछे जबरदस्त वैज्ञानिक कारण हैं। जब हम सुबह जल्दी उठते हैं तो हमें दिनभर के अपने अनेक कामों के लिए न केवल पर्याप्त समय मिलता है बल्कि उनके बारे में सोचने, विचारने का भी हमें अच्छे से मौका मिलता है। जिस कारण हम तनाव से दूर रहते हैं। याद रखिए, तनाव का सबसे ब?ा कारण ये होता है कि हमें लगता है कि हम कोई काम कर सकते हैं, लेकिन हमारे पास समय नहीं है। इसलिए सुबह जल्दी उठने से हमें वह जरूरी वक्त मिल जाता है, जो हमारी कामयाबी में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इसके अलावा सुबह जल्दी उठते हैं तो दिनभर पॉजीटिव एनर्जी से भरपूर रहते हैं यानी ऐसे लोगों के मुकाबले डेड़ से दोगुना परफॉर्मेंस करते हैं जो सोकर देर से जगते हैं। जब हम सुबह सही समय पर जगते हैं तो हम सुकून से नाश्ता करते हैं और बिना किसी हड़बड़ी के दफ्तर पहुंचते हैं।

हर महीने कुछ बचत; यूं तो किसी भी उम्र में पैसे की बचत करना हमारी कामयाबी में कई तरह से मददगार होता है। लेकिन अगर हमने शुरू से ही नियमित पैसे बचाना अपनी आदत का हिस्सा बना लिया, तो उस उम्र तक आते-आते जब कई दूसरे लोग गंभीरता से पैसे कमाने के बारे में सोचते हैं, हम इतने पैसे बचा सकते हैं कि चाहें तो अपना शानदार बिजनेस शुरू कर लें। फाइनेंस एडवाइजर कहते हैं कि पैसे वाला होने के लिए एक सबसे आसान तरीका यह है कि 25 की उम्र के पहले बचाना शुरू कर दीजिए।

बिजनेस शुरू करके गुर सीखना; दुनिया में कोई ऐसा इंसान नहीं है जिसने अपना बिजनेस शुरू करने के बाद पहले कुछ दिनों तक लड़खड़ाया न हो या दूसरे शब्दों में कहें कि उसने असफलता न देखी हो। दरअसल कुछ बातें कभी भी किताबों से नहीं सीखी जा सकती, उनमें से एक कारोबार भी है। कारोबार हमेशा करके ही सीखा जाता है, आप कितना ही उसके बारे में पड़ लें, लेकिन आपमें वह स्मार्टनेस कभी नहीं आयेगी, जो दूरंदेशी और स्मार्टनेस आपको एक तयशुदा कारोबारी अनुभव के बाद आती है। अगर हम जिंदगी में जल्दी अपना बिजनेस शुरू कर देते हैं, तो हमें कामयाबी जल्दी व यकीनन मिलती है।

प्रतिदिन लक्ष्य लिखना व पूरा करना; कामयाबी का यह बड़ा सीक्रेट जानने-सीखने के लिए आपको एक पैसा भी नहीं खर्च करना पड़ेगा। यह सिर्फ एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जो हमें पूरी तरह बदलकर रख देती है। अगर हम हर दिन सुबह उस दिन के अपने टारगेट लिख लें और यह संकल्प लें कि आज ये काम हर हाल में करना है, व अगर ईमानदारी से इसकी कोशिश करते रहें तो जल्द ही वह समय आयेगा, जब आप हर दिन के लिए लिखे गये लक्ष्य को पूरा करने वालों में शामिल होंगे। जब हम ऐसा करते हैं और लक्ष्य को हासिल कर लेते हैं, तो कहने की जरूरत ही नहीं रह जाती कि हम कामयाब हो गये।

रोजाना एक घंटे एक्सरसाइज; इसमें कोई बहाना नहीं चलना चाहिए। हर हाल में यह मानकर चलें कि अगर स्वस्थ रहेंगे, तभी सफल होंगे और तभी सफलता के लिए हमें धैर्य होगा और नये-नये विचार भी तभी आएंगे। इसलिए जरूरी है हर दिन सुबह एक घंटे एक्सरसाइज करना। चाहे व्यस्तता कितनी ही हो, लेकिन एक घंटे की एक्सरसाइज के लिए रास्ता निकाल ही लें, क्योंकि यह आपके जीवन, अस्तित्व और कामयाबी से जुड़ा प्रश्न है। अगर हम हर दिन एक घंटे एक्सरसाइज करते हैं तो साल में हमारे बीमार होने के एक फीसदी से भी कम चांस होते हैं और जब हम बीमार नहीं पड़ते तो हम उन लोगों के मुकाबले महीनेभर में डेढ़ से दोगुना काम निपटाते हैं, जो अकसर कुछ-कुछ दिनों में बीमार हो जाते हैं। अगर कामयाब होना है तो एक्सरसाइज के नियम को आंख मूंदकर कसौटी बना लें।

– साभार

सोने के लिए पागल दुनिया- तो क्या ये नए गोल्ड स्टैंडर्ड की आहट है?

■ अंशुमान तिवारी

दुनिया भर के केंद्रीय बैंक दबाकर सोना खरीद रहे हैं। सोने की कीमतें अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, मगर बैंक पगलाए हुए सोना जुटाने में लगे हैं। वह भी अब तक की सबसे ऊंची कीमत पर दुनिया में।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) लंदन की तिजोरियों से सोना निकालकर भारत ला रहा है। इन तिजोरियों के इस्तेमाल की अपनी लागत जो है। आरबीआई के पास करीब 822 टन सोने का भंडार है। आरबीआई ने 2019 से 2024 के बीच 209 टन सोना खरीदा है। इतना सोना है, तो इसे संभालने का भी झंझट है। भारत ही क्यों? दुनिया भर के केंद्रीय बैंक दबाकर सोना खरीद रहे हैं। चीन ने लगातार 17 महीने सोने की खरीद की। विश्व के केंद्रीय बैंकों के पास अब करीब 2,262 टन सोना जमा है। सोने की कीमतें अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, मगर केंद्रीय बैंक पगलाए हुए सोना जुटाने में लगे हैं। वह भी अब तक की सबसे ऊंची कीमत पर। दुनिया में अब तक जितना सोना निकाला गया है, उसका 20 फीसदी हिस्सा विश्व के केंद्रीय बैंकों की तिजोरियों में है। इस दीवानगी की वजह क्या है? गोल्ड स्टैंडर्ड तो कब का दफन हो गया, जिसमें किसी देश की करेंसी का मूल्यांकन सोने में किया जाता था। केंद्रीय बैंक तो संप्रभु करेंसी के मालिक हैं, जो सोने में नापे जाने की शर्त से मुक्त हैं। बाजार बता रहा है कि बैंकों को दुनिया भर की करेंसी, खासतौर पर डॉलर में गिरावट के डर से उनके विदेशी मुद्रा भंडार सोने की आमद से चमक रहे हैं। घाना 2023 से तेल का भुगतान गोल्ड में कर रहा है। रूस ने युद्ध के दौरान रुबल देकर सोना जुटाने का एलान किया था,तो क्या नए गोल्ड स्टैंडर्ड की आहट है? आइए, टाइम मशीन का मोटर गुर्रा रहा है, अपनी सीट पकड़िए और उड़ चलते हैं गोल्ड स्टैंडर्ड की रोमांचक दुनिया में। अब हम अमेरिका के न्यू हैंपशायर के ऊपर से उड़ रहे हैं। पर्वतों से घिरा यह रिजॉर्ट टाउन, जो स्कीइंग के दीवानों का गढ़ है। हम बढ़ रहे हैं 18वीं सदी के आखिरी दशकों की तरफ। यहां कोयला और रेलवे का विकास हो रहा है। कोयला व रेलवे के कारोबार से अमीर बने जोसेफ स्टेकिनी माउंट वॉशिंगटन नाम का होटल बना रहे हैं। यह होटल 21वीं सदी में मौजूद रहेगा, मगर इससे पहले यह अनोखा इतिहास बनाएगा। टाइम मशीन ने गियर बदला है। अब हम 1944 में हैं। दूसरे विश्वयुद्ध का खून-खच्चर चरम पर है। हम उसी माउंट वॉशिंगटन होटल पर पहुंचे हैं, जो बड़ी जंग के बीच एक बड़े समझौते की तैयारी कर रहा है। यहां 44 देश जुटे हैं, जिनमें ब्रिटिश इंडिया भी है, तालियों की गूंज में नई आर्थिक व्यवस्था बन गई है। विश्व के प्रमुख देशों ने विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ जैसी संस्थाओं की बुनियाद रख दी है। यहीं से निकल रही है एक नई मौद्रिक व्यवस्था, यानी गोल्ड स्टैंडर्ड। कागजी मुद्रा का सोने में मूल्यांकन। एक औंस सोने के बदले 35 अमेरिकी डॉलर, दुनिया ने मिलकर अमेरिका को गोल्ड स्टैंडर्ड का संचालक बना दिया है। अमेरिका को इस पैमाने को कायम रखना है। मतलब, अगर सोने की विनिमय दर 35 डॉलर से नीचे जाती, तो अमेरिका को डॉलर छापकर इसे संतुलित करना होता था। गोल्ड स्टैंडर्ड के साथ ही उस वक्त की तीन बड़ी मुद्राओं-ब्रिटिश पाउंड, जर्मन मार्क, फ्रेंच फ्रैंक के विनिमय का आधार अमेरिकी डॉलर हो गया है। मौद्रिक स्टैंडर्ड का यह अनोखा प्रयोग है, जिसे युद्ध से उबरती दुनिया ने अपना लिया है। अब बढ़ते हैं 1960 के फ्रांस की तरफ, जहां दिखेगी एक अनोखी कूटनीतिक जंग। बताते चलें कि 1960 के बाद वक्त ने करवट ली। जापान और यूरोप का निर्यात तेजी से बढ़ा। विश्व व्यापार में अमेरिका का हिस्सा घटने लगा। अमेरिकी डॉलर की मांग कम हो गई, तो दुनिया के देश अमेरिका से डॉलर के बदले सोना मांगने लगे। इसी दौरान अमेरिका में रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए और ज्यादा करेंसी छापी गई। आपके सामने अखबारों की सुर्खियां तैर रही हैं, जो बता रही हैं कि बाजार में अमेरिका के डॉलर ज्यादा हो गए व अमेरिका के पास सोना कम रह गया। इसके साथ ही दुनिया के मुद्रा बाजार में अमेरिका की ताकत कम होने लगी। अब हम पेरिस में हैं। माइक पर गरज रहे फ्रांस के राष्ट्रपति चार्ल्स डे गॉल ने फ्रांस के नए राजनीतिक दौर की शुरुआत की है। पेरिस की राजनीतिक हवा में आपको यह पता चल जाएगा कि यूरोप के सबसे तेज-तर्रार नेताओं में से एक चार्ल्स डे गॉल अमेरिका विरोधी हैं। फ्रेंडी रूजवेल्ट से लेकर रिचर्ड निक्सन तक छह अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ उनके रिश्तेज्यादातर खट्टे रहे हैं। अब चार्ल्स डे गॉल ने अमेरिकी अगुआई वाले गोल्ड स्टैंडर्ड को निशाना बनाया है। गॉल ने फ्रांस में अमेरिका से डॉलर के बदले सोना लेना शुरू कर दिया है। इस कदम का रहस्य खुलने तक फ्रांस करीब 15.करोड़ डॉलर के बदले सोना दे चुका है। अब खबरों पर नजर जमाइए। डे गॉल ने एलान कर दिया है कि फ्रांस के पास जितने भी अमेरिकी डॉलर हैं, उनके बदले वह अमेरिका से सोना वसूल करेगा। किसी मित्र देश की तरफ से यह अमेरिका पर सबसे बड़ा कूटनीतिक हमला है। फ्रांस के बाद स्पेन ने भी अमेरिका से सोना वसूल लिया। अब बाजार में सोने की कीमत खौलने लगी है। यह अक्तूबर,1960 है, जब सोने की कीमत रिकॉर्ड 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। अब हम लंदन चलते हैं, ब्रिटेन, पश्चिम जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड व अमेरिका ने मिलकर लंदन गोल्ड पूल बनाया है। इन देशों के पास उपलब्ध सोने के भंडारों के इस्तेमाल से गोल्ड स्टैंडर्ड को बचाने की कोशिश की गई है। इस भंडार के जरिये 35 डॉलर प्रति औंस की कीमत को बचाया जा रहा है। इस गठजोड़ में दरारों पर नजर रखते हुए हमारी टाइम मशीन 1968 में आ गई है। फ्रांस ने इससे नाता तोड़ लिया है और लंदन गोल्ड पूल ढह गया। दुनिया में गोल्ड स्टैंडर्ड की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सोने की खबरों के बीच आपको पता चलेगा कि 1962 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने दुनिया के नौ केंद्रीय बैंकों के साथ एक स्वैप सुविधा शुरू की थी। इनमें ब्रिटेन, तब का पश्चिम जर्मनी, इटली, फ्रांस और कनाडा प्रमुख थे। कोशिश थी कि डॉलर के बदले सोने की मांग सीमित व संतुलित की जा सके, लेकिन अमेरिका के मौद्रिक सिस्टम की दरारें खुल चुकी थीं। सोना कम था व डॉलर की भरमार थी। अंतत- गोल्ड स्टैंडर्ड का अंत आ पहुंचा। टाइम मशीन लंदन से वॉशिंगटन आ गई है। यह 1971 का ऐतिहासिक वर्ष है। अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने डॉलर की सोने से परिवर्तनीयता खत्म कर दी। अमेरिका में गोल्ड के आयात पर दस फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी लगा दी गई। गोल्ड स्टैंडर्ड खत्म हो गया। सोना दुनिया की आधारभूत मुद्रा?नहीं रहा है। नई मौद्रिक प्रणाली में डॉलर नई आधारभूत मुद्रा थी। अब संप्रभु करेंसी सोने पर आधारित नहीं थी। इसलिए इनमें तेज उतार-चढ़ाव होने लगा। इसका बड़ा लाभ यह है कि अर्थव्यवस्था की जरूरत के लिए मुद्रा छापी जा सकती थी, मगर छापाखानों से आगे महंगाई भी निकलने लगी थी। नजर आएगा कि नई मौद्रिक प्रणाली का उद्घाटन अमेरिका में ग्रेट इन्फ्लेशन यानी महा महंगाई के साथ हो रहा है। टाइम मशीन वापस 2024 में आ गई है। हम अब मुंबई में हैं, जहां रिजर्व बैंक लंदन से सोना लाने की तैयारी में लगा है। दुनिया के बैंक डॉलर बेचकर सोना जुटा रहे हैं। उनके विदेशी मुद्रा भंडार में सोने का हिस्सा बढ़ रहा है। संप्रभु मुद्राएं टूट रही हैं। महंगाई जिद्दी हो चली है। सोने की कीमत रिकॉर्ड बना रही है। लोग पूछ रहे हैं, कि जब सोना सस्ता होगा, तब ये बैंक क्या करेंगे? इनके विदेशी मुद्रा भंडारों की कीमत टूटेगी, तो मुद्राओं का क्या होगा या फिर सारे बैंक मिलकर सोने की महंगाई को स्थायी बना देंगे? बड़ा ही दिलचस्प मौद्रिक दौर है यह। फिर मिलते हैं, अगले सफर पर...

– साभार

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस रिर्हसल: सेठानी घाट पर भव्य अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 को मनेगा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोरों पर है। नर्मदा नदी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सेठानी घाट पर एवं हिल स्टेशन पचमढी के सतपुडा की धूपगढ़ पर विशेष रूप से होता है योग। इस हेतु काउंटडाउन रिहर्सल सेठानी घाट से आरंभ की गई है। इसी तारतम्य में नर्मदापुरम जिला प्रशासन के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग, आयुष विभाग एवं नगर पालिका परिषद के संयुक्त तत्वाधान में योग दिवस के काउंट डाउन रिर्हसल के रूप में सभी शासकीय/अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक/ शासकीय सेवकों, सामाजिक संस्थान सामाजिक संगठन के सदस्य, खिलाड़ी एवं पंतजलि योग, गायत्री पीठ, जन अभियान परिषद के सदस्य एवं आम नागरिकों के साथ लगभग 300 लोगो द्वारा नगर का रमणीय पर्यटन स्थल सेठानी घाट पर सामूहिक रूप से योग अभ्यास किया गया। सभी संस्थाओं के प्रमुख आमंत्रित किए गए, जिसमें उन्हें योग अभ्यास कराया गया। अब वह अपने- अपने संस्थान में अगले 07 दिनों तक सभी विद्यार्थी कर्मचारी शिक्षकों इत्यादि अभ्यास करायेंगे, सेठानी घाट पर काउंटडाउन रिहर्सल के अवसर पर मार्गदर्शन देने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी, आयुष विभाग अधिकारी, नगर पालिका परिषद से व्यवस्थापक उपस्थित रहे, बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण लिया और वह अपने संस्थानों में योग शिक्षकों के माध्यम से भी अभ्यास करेंगे। योगाभ्यास रघुवीर सिंह राजपूत एवं मुकेश सराठे आदि के नेतृत्व में किया गया। सभी से 21 जून 2024 को 5-30 बजे सुबह सेठानी घाट पर योग पर टी-शर्ट / सुविधा युक्त ड्रेस में आने के लिए निवेदन किया गया। जिन स्कूलों में योग की रिर्हसल हेतु योग शिक्षक उपलब्ध नही है, उन स्कूलों के लिए जिला शिक्षा अधिकारी शत्रुंजय प्रताप सिंह बिसेन द्वारा योग शिक्षक उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।

शुभ मंगल बनी आईपीएल चैंपियन

मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरिज सहित अन्य कई पुरस्कार वितरित किए

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

गांधी मैदान में इटारसी प्रीमियर लीग टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला शुभ मंगल चैम्पियन ने जीता। उप विजेता बावेजा प्रॉपर्टी की टीम रही। विजेता टीम को अनिल मिहानी की ओर से 21 हजार रुपए नगद एवं ट्रॉफी अपने पिता किशनचंद मिहानी की स्मृति में तथा उपविजेता को रोहित बावेजा की ओर से उनके पिताश्री प्रमोद बावेजा की स्मृति में पुरस्कृत किया गया। कमेंट्रेटर राकेश पांडेय सहित फ्रेंचाइजी संचालकों का भी सम्मान किया गया। पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे और आयोजन समिति के उपाध्यक्ष अनिल राठी, कुलभूषण मिश्रा ने प्रदान किये। विजेता और उपविजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को स्मृति चिह्न प्रदान किये गये। मैच प्रारंभ होने से पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने सभी खिलाडियों से परिचय प्राप्त आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह शहर में खेल के माहौल को बढ़ावा देने का अच्छा प्रयास है। इस मौके पर लखन बैस, राजेन्द्र सिंह तोमर, मोहम्मद जाफर सिद्दीकी, मेहरबान सिंह चौहान, संदेश अग्रवाल, सन्नी छाबड़ा, अभिषेक मिहानी, जयराज सिंह भानू सहित अन्य लोग मौजूद रहे। संचालन राकेश दुबे ने किया।

ये दिए गए पुरस्कार

बेस्ट टीम का पुरस्कार सांवरिया लॉयन, बेट्समेन विवेक वर्मा, बेस्ट बॉलर, फाइनल का मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरिज नीतिश सिंह और प्लेयर ऑफ द सीरिज राहुल सोलंकी, सेमीफाइनल के मैन ऑफ द मैच अजय चौधरी और राहुल सोलंकी, बेस्ट विकेट कीपर सौरभ चौधरी, बेस्ट कैस गोल्डी, बेस्ट फील्डर मुकुंद पांडेय।

70 प्रकार की वैरायटी के आम की लगी प्रदर्शन

बॉम्बे ग्रीन तोतापुरी, मालदा रॉयल मिश्री फजली आम ने पर्यटकों का मन मोहा...

पचमढ़ी में आयोजित आम महोत्सव

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

हिल स्टेशन पचमढी में शनिवार को आम महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित आम महोत्सव एवं सेमिनार में 70 प्रकार के आमों की 165 सैंपल प्रदर्शनी के लिए रखे गए है। जिसमें बाम्बे ग्रीन अपने साईज और स्वाद के कारण खास रहे वहीं तोतापरी अपने रंग और आकार के कारण आकर्षण का केन्द्र रहें। शासकीय उद्यान मटकुली की रॉयल, मिश्री, सुदंरजा, मालदा, फजली ने पर्यटकों का मन मोहा। जिले के अन्य किस्मों के आम में चौंसा, स्वर्ण रेखा एवं जरदालू अत?यंत आकर्षण लगें। शासकीय उद्यान बम्हनवाडा से स्वर्ण रेखा, मलिका, पगारा से पयारी, सावनिया शासकीय पोलो उद्यान पचमढी से बाम्बे ग्रीन, कृष्ण भोग, वहीं मटकुली उद्यान से आई मलिका अपने बजन के कारण लोगो में चर्चा का विषय रही इसमें एक फल का वजन 1 किलों 250 ग्राम तौला गया।

नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल एवं पचमढी के कृषकों ने अपने आम की स्टाल की प्रदर्शनी लगाई है। आम महोत्सव का समापन 16 जून को किया जाएगा। आम महोत्सव में आए आम के उत्पादक कृषकों को संबोधित करते हुए कलेक्टर सोनिया मीना ने आम महोत्सव की जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आम महोत्सव में आमों की विभिन्न प्रकार की वेरायटी का प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होने कहा कि हमारा जिला आम की विभिन्न किस्मों के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। उन्होने कृषकों से कहा कि वे आधुनिक तकनीक का उपयोग करके फलों उत्पादन को बढावा दें। कलेक्टर ने आम महोत्सव में आए आम के व्यापारियों से चर्चा करके आम के विक्रय की बात की एवं कृषि वैज्ञानिकों से आम की अलग अलग किस्मों की जानकारी ली। इस अवसर पर कलेक्टर ने पचमढी के प्रसिद्ध आम बाम्बे ग्रीन का स्वाद लिया एवं प्रदर्शनी की सराहना की।उल्लेखनीय है कि सहायक संचालक कार्यालय उद्यानिकी के परिसर में आम की प्रदर्शनी लगाई गई है। सहायक संचालक रामशंकर शर्मा ने बताया कि प्रदर्शनी में आम का स्टॉल लगाया गया है। आम जनता एवं पचमढी घूमने आए पर्यटक आम का स्वाद ले रहें है। अपनी इच्छानुसार आम को खरीद कर उसका स्वाद लेना नहीं भूल रहें है। आम महोत्सव में स्व सहायता समूह द्वारा बांस से बनी टोकरी, आम के प्रोडक्ट जैसे आचार, अमचूर की प्रदर्शनी लगाई गई है।

दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: काउंट डाउन योग कार्यक्रम

सिरोंज। 10वे अंतर्राष्ट्री य योग दिवस 21 जून 2024 के आयोजन बाबत एवं पूर्व तैयारी के संबंध में आयुष विभाग विदिशा द्वारा आज प्रातः काल श्री रामचंद्र मिशन ध्यान केंद्र, हार्ट फुलनेश सेंटर, इंद्रप्रस्थ कालोनी, विदिशा में काउंट डाउन का आयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में 104 योग साधकों ने शामिल होकर योगाभ्यास किया।

इस अवसर पर जिला आयुष अधिकारी डॉ दिनेश कुमार अहिरवार द्वारा उपस्थित जन समुदाय को योग की विस्तृत जानकारी दी गई व योग से होने वाले लाभ से अवगत कराया। साथ ही आगामी 21 जून 2024 को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने की अपील की गई।

काउंट डाउन में योग गुरु, योग प्रशिक्षकों द्वारा कार्यक्रम उपस्थित समस्त जन समूह को योग कराया गया। इस अवसर पर आर के ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी, श्रीमति अंजली पंडित, हार्ट फुलनेश सेंटर विदिशा, सुश्री सपना दीदी , ब्रम्हाकुमारी, श्यामवीर सिंह, बालाराम पंथी ,सेवा भारती, श्री उपेंद्र धाकड़, एवं शिक्षा विभाग,आयुष विभाग के कर्मचारी, शहर के योग साधक, गणमान्य नागरिक, आमजन उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा आज, हजारों भक्तों ने लगाई डुबकी

इटारसी। गंगा दशहरा के अवसर पर आज रविवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई। सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालुओं की नर्मदा घाटों पर भीड़ नजर आई। श्रद्धालुओं ने नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाकर गंगा स्नान का पुण्य लाभ लिया। स्नान के बाद सेठानी घाट, कोरी घाट, विवेकानंद घाट सहित सभी तटों पर श्रद्धालुओं पूजन-पाठ कर रहे व अनाज, वस्तुओं का दान कर रहे। शाम 7.30 बजे सेठानी घाट पर मां नर्मदा की महाआरती होगी। पौराणिक मान्यता है कि गंगादशमी के दिन भागीरथ ने गंगा को धरती पर लाए थे। दशमी के दिन गंगा अपनी बहन नर्मदा से मिलने आती है। रविवार को हजारों श्रद्धालुओं ने नर्मदापुरम पहुंचकर नर्मदा में स्नान कर पुण्य लाभ लिया।

सुरक्षा के व्यापक इंतजाम, रोक रहे: गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए सुरक्षा के भी व्यापक स्तर पर इंतजाम किए गए हैं। पुलिस, होमगार्ड के जवान और गोताखोर सेठानी घाट, कोरी घाट, परहंस घाट, विवेकानंद घाट, गोंदरी घाट सहित जिले भर के घाटों पर मौजूद रहे। गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए सुरक्षा के भी व्यापक स्तर पर इंतजाम किए गए हैं। पुलिस, होमगार्ड के जवान और गोताखोर सेठानी घाट, कोरी घाट, परहंस घाट, विवेकानंद घाट, गोंदरी घाट सहित जिले भर के घाटों पर मौजूद रहे। लोग सुबह-सुबह ही बड़ी संख्या में घाट पर पुण्य लाभ कमाने के लिए पहुंच रहे हैं।

मेट्रो एंकर | संगोष्ठी के माध्यम से भी लोगो को स्वच्छता एवं जल स्त्रोतो की जानकारी दी

जल गंगा संवर्धन अभियान: एसडीएम ने किया श्रमदान व विधायक सिंह ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम/ सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो।

जल गंगा अभियान संवर्धन अभियान के तहत नर्मदापुरम जिले में जगह जगह पुराने जल स्त्रोंत, कुएं, बावडी, तालाब की साफ सफाई का कार्य जोर शौर से किया जा रहा है। संगोष्ठी के माध्यम से भी लोगो को स्वच्छता एवं जल स्त्रोतो के महत्व के बारे में समझाईश दी जा रही है। नगर पालिका एवं जनपद पंचायतों का अमला वार्ड-वार्ड जाकर एवं ग्रामों में जाकर लोगो को पम्पलेट वितरित कर जल संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहा है। सोहागपुर के एसडीएम ब्रजेश रावत ने ग्राम शोभापुर में तालाब गहरीकरण के कार्य में श्रम दान किया। ग्राम पर्यदेह में प्राचीन कुएं की साफ सफाई कर, कुएं की मरमम्त की गई। सोसरखेडा में शासकीय भूमि पर ट्रेच खुदाई का कार्य कर बारिश के दौरान जल संरक्षण करने का कार्य किया गया। शोभापुर में प्राचीन राज परिवार का बडा तालाब जो धीरे धीरे अपना अस्तित्व खोता दिखाई दे रहा था तालाब में जल कुंभी एवं गाद निकालने का कार्य किया गया। ग्राम ढिकवाडा में तालाब जीर्णोधार के कार्य में श्रमदान किया गया।नगर परिषद बनखेडी द्वारा वार्डो में नागरिकों के घर जाकर पम्पलेट का वितरण कर लोगो से जल बचाने की अपील की गई। वहीं वार्ड क्रमांक 6 एवं 7 में अस्पताल रोड स्थित मुख्य नाले की जेसीबी मशीन से सफाई कर पानी की आवक सुनिश्चित की गई। ग्राम भीलाखेडी में कूप गहरीकरण का कार्य किया गया। वहीं नर्मदा विद्या निकेतन के विद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन कर जल संरक्षण के महत्व पर व्याख्यान दिया गया है।

सोहागपुर विधायक विजय पाल सिंह ने बालाजी मंदिर बावडी की साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। सिवनीमालवा के सभी 15 वार्डों में साफ सफाई एवं वार्ड 10 में प्राचीन कुएं का पूजन कर जीर्णोधान का कार्य किया गया।

स्कूल चले हम अभियान

18 से 20 जून तक प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित होगा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत प्रवेश उत्सव कार्यक्रम जून माह की 18 से 20 तारीख के मध्य आयोजित होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की बैठक आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में संपन हुई।कलेक्टर ने स्कूल चले हम अभियान 2024 अंतर्गत प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के लिए निधर्धारित गतिविधियां जिले के सभी शासकीय स्कूलों में आयोजित करवाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 18 जून को शाला स्तर पर प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित करें, जिसमें शाला के पूर्व विद्याथों एवं जनप्रतिनिधियों को सम्मान पूर्वक आमंत्रित किया जाए। ग्रामध्बस्सहट शाला से बाहर रहे बच्चों का नामांकन किया जाए एवं उनके अभिभावकों का स्थागत करें। इस दिन समस्त पात्र शालाओं में विशेष भोजन का वितरण भी करवाये।

कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश

स्कूल चले हम अभियान के दूसरे दिन अर्थात19 जून को सभी शालाओं में अभिभावकों के साथ शालेय गतिविधियों पर चर्चा, जिसमें प्रमुखतः कक्षावार विषयखंड, शैक्षणिक कैलेण्डर, अध्ययन अध्यापन प्रकिया, अभिभावक-शिक्षक बैठकों, सह शैक्षणिक गतिविधियों, शाला में उपलब्ध सुविधाओं आदि की जानकारी प्रदान की जाए, कक्षावार उपयोगी स्टेशनरी सामग्री की अभिभावकों को जानकारी प्रदान करें तथा निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जाए।

20 जून को सभी स्कूलों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसके तहत कलेक्टर पुलिस अधीक्षक सहित जिले के 77 अधिकारी आवंटित स्कूलों में पहुंचकर ÷भविष्य से भेंट÷ कार्यक्रम में संबंधित शाला में उपस्थित रहकर बच्चों का मार्गदर्शन करने व एक पीरियड अध्यापन कार्यों का संपादन करेंगे।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में 30 जून 2024 तक असाक्षरों का लक्ष्य प्राप्त कर सर्वे कर राज्य शिक्षा केंद्र के पोर्टल पर शत प्रतिशत एंट्री किया जाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही कलेक्टर ने शासकीय स्कूलों के परीक्षा परिणाम, स्कूल भवन के रख-रखाव एवं मरम्मत आदि की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए।

भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं ईद का त्योहार शांति समिति की हुई बैठक

सिरोंज। शनिवार को पथरिया थाने में आगामी ईद के त्योहार को शांति पूर्ण रूप से मनाने हेतु शांति समीति बैठक आयोजित हुई जिसमें थाना प्रभारी ऋतुराज ने शांति समिति के सदस्यों से चर्चा करते हुए कहा कि हर बार की तरह आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण को ईद के त्योहार को मनाएं खुले में कोई भी कुर्बानी ना दे। शासन के द्वारा जारी की गई गाइडलाइन का सभी लोग पालन करें पुलिस प्रशासन सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से मुस्ताते रहेगी। इस दौरान शांति समिति के सदस्य मौजूद थे

समय पर हों हितग्राही लाभांवित यह हमारा नैतिक दायित्व:कलेक्टर

सिरोंज। कलेक्टर ने शनिवार को पीएम जनजाति आदिवासी महा अभियान, पीएम जनमन योजना के कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागो के जिलाधिकारियों से कहा है कि समय पर हितग्राहियों को लाभांवित कराने का हमारा नैतिक दायित्व है। पीएम जनमन योजना के तहत विदिशा जिले में चिन्हित सहरिया जनजाति वर्ग के नागरिकों को योजना के मापदण्ड अनुसार शत प्रतिशत लाभ दिलाया जाना है इस कार्य में कोई भी विभाग पीछे ना रहें यदि समीक्षा में यह ज्ञात होता है कि समय पर विभागीय योजनाओं

व कार्यक्रमों से लाभांवित करने में जिलाधिकारियों के द्वारा ढीला रवैया अपनाया गया है उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि सीएस द्वारा शीघ्र ही पीएम जनमन कार्यो की गइन समीक्षा की जाएगी। इस बैठक में विकासखण्डवार हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा की गई जिसमें समग्र आईडी, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पात्रतापर्ची, उज्जवला योजना, जनधन खाता, स्वसहायता समूह के माध्यम से उन्नयन तथा पीएम विश्वकर्मा योजना तथा अधोसंरचनात्मक योजनाओं के तहत हितग्राहियों को स्वीकृत होने वाले पीएम आवास, बस्तियो तक पहुंचने के लिए पीएम सड़क, विद्युतीकरण, आंगनबाडी केन्द्र भवन, नल से जल, वनधन केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र, मोबाइल नेटवर्क बस्तियों में प्राप्त हो सके इसके लिए टॉवर लगाने के अलावा बहुउद्धेश्यीय केन्द्र भवनो की अद्यतन स्थिति इत्यादि की गहन समीक्षा की गई हैं।

कैथन नदी के पुनर्वास के लिए विधायक शर्मा ने किया 24 करोड़ की योजना का किया भूमिपूजन

हम आने वाली पीढ़ी को पर्याप्त जल की उपलब्धता की संरचना बनाकर जाएं- कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नदी तालाब के साथ प्राकृतिक प्राचीन जल स्त्रोत कुँओ, बाबड़ीयों जलाशयों को संरक्षित करने एवं पानी बचाने व वर्षा का जल संग्रहित करने के अलावा पर्यावरण को सुरक्षित रखने व संवारने करने का संदेश देते हुए कलश यात्रा के माध्यम से सामूहिक रूप से एक विशाल जनसमूह ने यात्रा निकाली। प्रशासन और जनभागीदारी से आयोजित इस जनकल्याणकारी यात्रा के भागीरथी बने क्षेत्र के विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में सिरोंज लटेरी विधानसभा के शहरी एवं ग्रामीण अंचल की जल संरचनाओं को संरक्षित किया जाएगा।

इस अभियान को सार्थकता प्रदान करने के लिए स्वसहायता समूह की महिलाओं एवं बालिकाओ ने करीब तीन सौ गंगा कलश लेकर मुख्य बाजार में यह यात्रा निकाली। यह यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई पंचकुइयां स्थित कैथन नदी पर पहुँचकर सम्पन्न हुई। इस दौरान नगर के समाजसेवियों एवं सामाजिक संगठनों ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर सिरोंज नगर पालिका अध्यक्ष श्री मनमोहन साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दरियाब सिंह दाँगी, एसडीएम हर्षल चौधरी सहित सभी संस्थाओं के जनप्रतिनिधिगण,प्रशासनिक अधिकारी एवं भाजपा संगठन के कार्यकर्ता एवं जनसमुदाय उपस्थित रहा।

कलशों का किया पूजन

कैथन नदी के घाट पर पहुँची शोभायात्रा के उपरांत घाट पर बनाये गए मंच के सामने नदी किनारे श्री गंगा कलश की सामूहिक रूप से पूजा अर्चना की गई। विधायक श्री उमाकांत शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने पूजा अर्चना एवं गंगा मैया की आरती कर अभियान का शुभारंभ किया। इसके उपरांत कैथन नदी में भूमिपूजन कर कैथन नदी को नैवेध, फल एवं दीपक दान भी किए। इस अवसर पर मंच पर जनअभियान परिषद के कार्यकर्ताओं ने जल संरक्षण संरचना पर एक नुक्कड़ नाटक का भी मंचन किया।

24 करोड़ से होगा कैथन नदी का कायाकल्प

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि गंगा दशहरा से जल संरक्षण का कार्य प्रारम्भ होता है। हम सब आज गंगा दशहरे की पूर्व संध्या पर जल गंगा जल संवर्धन अभियान का शुभारंभ हमारे शहर की कपिथ्य गंगा कैथन नदी पर कर रहे हैं। इसके साथ ही इस अवसर पर हम चौबीस करोड़ से कैथन नदी के पुनरुत्थान के लिए कार्ययोजना का शुभारंभ भी कर रहे है। इस कैथन नदी में शहर के जितने भी दूषित पानी के नाले आकर मिलते है उस दूषित पानी को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाकर फिल्टर किया जाएगा। जिसके लिए आठ किलोमीटर पाइप लाइन का भी विस्तार किया जाएगा। नदी के दोनो तरफ वृक्षरोपण एवं पिचिंग का काम किया जाएगा। सीवेज फिल्टर प्लांट से जल के शुद्धिकरण करने के बाद इसे नदी में छोड़ने का कार्य किया जाएगा इसके अलावा कैथन नदी के सौंदर्यीकरण एवं गहरीकरण का काम भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व में जिला एवं स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों एवं नागरिको के सहयोग से प्रारम्भ करते है उन्होंने सभी से दस दस वृक्ष लगाने का आव्हान करते हुए जल एवं पर्यावरण के संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से शपथ भी दिलाई। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने कहा कि आपने जिस प्रकार जनसरोकार के इस महत्वपूर्ण कार्य को जोड़ा है और उसको धरातल पर सार्थक किया जा रहा है। यह आम लोगों के सहभागिता के बिना संभव नहीं है। आप सदैव सचेत रहकर समाज को जागृत रखने का काम कर रहे हैं। हमारे यहां पहले पेयजल की उपलब्धता के लिए कुँए होते थे और पानी के लिए झगड़े होते थे तो लोग अपना अलग कुआँ खोद लेते थे। लेकिन अब समय बदल है और जल स्तर नीचे चला गया है। सौ फीट तक पानी नहीं मिलता है। लेकिन हम सौभाग्यशाली है कि हमारे जिले में अनेक नदियां हैं। जल सरंक्षण का जनसरोकार के इस अभियान को हम 5 से 16 तक नहीं बल्कि निरंतर रखने का प्रयास करेंगे। अब आने वाले समय मे झगड़े की मुख्य वजह पानी ही होगा। इसलिये हम कोशिश करें कि हम आने वाली पीढ़ी को पर्याप्त जल की उपलब्धता की संरचना बना के देकर जाएं। जिससे हमारी भावी पीढ़ी को जल संकट का सामना ना करना पड़े।

मेट्रो एंकर

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रथम भोपाल आगमन पर भव्य तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

शिवराज के आशीर्वाद से बना हूं तीसरी बार विधायक: सप्रे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा लोकसभा ने नवनिर्वाचित सासंद और मोदी कैबिनेट में कृषि कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री बने शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली बार दिल्ली से भोपाल आ रहे हैं। जिसकी तैयारीयों को लेकर पथरिया स्थित नवांकुर हायर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्यअतिथि कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे के द्वारा सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के चित्र पर माल्याअर्पण एवं दीप प्रचलन कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक हरिसिंह सप्रे ने कहा कि मामा के नाम से विख्यात पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान हम सब के नेता हैं। मेरे राजनीतिक गुरु होने के साथ साथ मेरे संरक्षक भी हैं, आज उन्हीं की देन है कि उनके आशीर्वाद से मैं तीसरी बार विधायक बना हूं, जनता की सेवा करने का मुझे मौका मिला है, उन्हें पता है कौन से कार्यकर्ता में क्या योग्यता है उसके आधार पर आकलन करके उसे वही जिम्मेदारी देते हैं। इसी का परिणाम है कि आज केंद्र की राजनीति में प्रदेश का नेतृत्व करने वाले शिवराज सिंह चौहान देश की राजनीति में एक बड़ा नाम बन गए हैं। सबसे अधिक मतों से जीत कर देश में भी विदिशा का नाम रोशन किया है आज विदिशा जिले के एक-एक कार्यकर्ता को सम्मान मिल रहा है। छः बार सांसद इतनी ही बार विधायक और 4 बार मुख्यमंत्री, और अब केंद्र में कृषि कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री बनकर मामा शिवराज सिंह चौहान एवं किसान के बेटे ने हम सब का नाम रोशन किया है। वही बैठक के दौरान निर्णय हुआ कि आज भोपाल आगमन पर कुरवाई विधानसभा के हजारों कार्यकर्ता अपने-अपने वाहनों से भोपाल पहुंचेंगे जहां पर केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शिवराज सिंह चौहान के भोपाल आगमन पर उनका भव्य स्वागत करेंगे। इसके लिए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी भी सौंप दी गई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक के बाद हितग्राहियों से की चर्चा

समीक्षा बैठक और भाजपा के कार्यक्रम समापन के बाद अपनी मांगों को लेकर आवेदन लेकर पहुंचे हितग्राहियों से वन टू वन चर्चा कर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द शिकायतकर्ताओं की शिकायत का निराकरण होना चाहिए। वही पथरिया सहित क्षेत्र के अन्य गांवों की एक दर्जन से अधिक महिलाएं पट्टे की मांग को लेकर पहुंची थी जिन्हें विधायक ने आश्वासन दिया है कि नियम अनुसार जांच करा लाभ दिलाया जाएगा। इसके अलावा सीमांकन के भी कई आवेदन मिले थे जिस पर स्थानीय नायक तहसीलदार से बात कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

सरकार की लोक कल्याणकारी संचालित योजनाओं की समीक्षा के लिए जनपद के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे ने अधिकारियों की क्लास लगाई। बैठक के दौरान विधायक श्री सप्रे ने अधिकारी, कर्मचारियों से कहा कि हमारी सरकार जन्म से लेकर मृत्यु तक अनेकों योजनाएं चल रही है जिससे कि आखिरी पंक्ति तक बैठे पात्र हितग्राही को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। लेकिन अधिकारियों के ढीले रवैया एवं लापरवाही के कारण कई लोग शासन की योजनाओं से वंचित रह रहे हैं और वह अपने काम को लेकर परेशान हो रहे हैं। बार-बार हमें फोन लगाना पड़ रहा है। वहीं उन्होंने कहा कि यह मेरी आखिरी चेतावनी है। कोई भी पात्र हितग्राही मेरे पास शिकायत लेकर ना आए, यदि मेरे पास शिकायत लेकर आता है तो उसमें जो भी दोषी होगा उस पर कड़ी कर्रवाई होगी। पंचायत में हो रहे विकास कार्यों का भी मूल्यांकन करें। यदि कहीं घटिया निर्माण हो रहे हैं तो ऐसी पंचायतों की जांच कर उन पर कठोर कार्रवाई करें और जिन पंचायतों में गुणवत्ता युक्त, उत्कृष्ट कार्य हो रहे हैं उन्हें पुरस्कृत करें यह जनपद के अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

Life&Style

कोल्ड ड्रिंक से बढ़ जाता है हृदय रोगों का खतरा

गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने के लिए अगर आप भी कोल्ड ड्रिंक जैसे मीठे पेय का सेवन करते हैं तो सावधान हो जाइए, ये शरीर के लिए कई प्रकार से हानिकारक हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ तमाम अध्ययनों में मीठे पेय से होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर सावधान करते रहे हैं। एक हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया कि जो लोग हफ्ते में दो बार भी मीठे पेय का सेवन करते हैं और नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते हैं, उनमें हृदय रोग विकसित होने की आशंका लगभग 50 फीसदी अधिक होती है।

अध्ययन में क्या पता चला?: एक लाख से ज्यादा लोगों पर किए गए चौंकाने वाले अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग नियमित रूप से व्यायाम करते हैं और हफ्ते में सिर्फ दो बार ही मीठे पेय पदार्थ पीते हैं, उनमें हृदय रोगों का खतरा 15 फीसदी तक अधिक होता है। वहीं जिन प्रतिभागियों ने हफ्ते में दो बार मीठे पेय पदार्थ पिए और व्यायाम नहीं किया, उनमें दिल की बीमारी होने का जोखिम 50 फीसदी अधिक देखा गया। ये न सिर्फ हृदय रोगों का कारक हैं, इनसे डायबिटीज, मोटापा और इंफ्लामेशन का भी खतरा हो सकता है। आप गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं के शिकार हो सकते हैं।

क्या कहते हैं शोधकर्ता?: अध्ययनकर्ता कहते हैं, यह कोई रहस्य नहीं है कि किसी भी रूप में चीनी का अधिक सेवन करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, लिक्विड के रूप में चीनी का सेवन और भी समस्याकारक है। डॉ लोरेना पचेको कहते हैं, मार्केटिंग कंपनियां इस बात पर जोर देती हैं कि चीनी-मीठे पेय पदार्थों का उन लोगों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है जो नियमित व्यायाम करते हैं। पर हमारे निष्कर्षों इस बात को पूरी तरह से खारिज करते हैं। चीनी-मीठे पेय पदार्थों का सेवन जितना संभव हो उतना कम करना चाहिए।

मीठे पेय और हृदय रोगों का खतरा: अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशियन में प्रकाशित अध्ययन की रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने बताया कम मात्रा में भी मीठे पेय के सेवन की आदत असल में नुकसानदायक हो सकती है। हार्वर्ड के टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में आहार और पोषण अनुसंधान वैज्ञानिक डॉ. लोरेना पचेको कहते हैं, मैं खुद एक आहार विशेषज्ञ हूं, इसलिए इस बात से सहमत हूं कि हमारे लिए मीठे पेय कितने हानिकारक हो सकते हैं। ये पेय पदार्थ तरल कैंडी की तरह होते हैं। स्पोर्ट्स ड्रिंक्स को लेकर भी दुष्प्रभावों को लेकर सावधान किया जाता रहा है।

स्कॉटलैंड की हार से इंग्लैंड सुपर-8 में पहुंचा

टी-20 वर्ल्ड कप: ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया

नईदिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के 35वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। सेंट लूसिया के डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। पहले बैटिंग करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 19.4 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। स्कॉटलैंड की हार का फायदा इंग्लैंड को मिला। इंग्लैंड 5 पॉइंट्स के साथ सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर गया। उसका रनरेट स्कॉटलैंड से ज्यादा रहा। स्कॉटलैंड ग्रुप बी में तीसरे नंबर पर रहा।

स्टोयनिस प्लेयर ऑफ द मैच

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पांचवें नंबर पर बैटिंग करने आए मार्कस स्टोयनिस ने 29 बॉल पर 59 रन की पारी खेली। स्टोयनिस और ट्रैविस हेड के बीच चौथे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी हुई। स्टोयनिस को प्लेयर ऑफ मैच चुना गया।

स्कॉटलैंड की पारी : मैकमुलेन का चौथा टी-20 अर्धशतक

स्कॉटलैंड की ओर से ब्रैंडन मैकमुलेन ने 60, कप्तान रिची बेरिंगटन ने नाबाद 42, जॉर्ज मुन्से ने 35 और मैथ्यू क्रॉस ने 18 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ग्लेन मैक्सवेल ने दो विकेट झटके। एश्टन एगर, नाथन एलिस और एडम जम्पा को 1-1 विकेट मिला। स्कॉटलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को पहले ही ओवर में झटका लगा। ओपनर माइकल जोन्स को एश्टन एगर ने क्लीन बोल्ड कर दिया। लेकिन यहां से टीम ने वापसी की और पावरप्ले में 54 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रैविस हेड और मार्कस स्टोयनिस ने अर्धशतक लगाया। हेड ने 65 और स्टोयनिस ने 59 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। टिम डेविड ने 14 बॉल पर नाबाद 24 रन बनाए। स्कॉटलैंड की ओर से सफयान शरीफ और मार्क वॉट ने 2-2 विकेट झटके। ब्रैड व्हील को एक विकेट मिला। 181 रन का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में दो बड़े विकेट गंवा दिए। शुरुआती 6 ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने महज 36 रन बनाए और डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श का विकेट गंवाया।

आज वर्ल्ड कप में आयरलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

टी-20 वर्ल्ड कप में आज आयरलैंड का मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ होगा। मैच फ्लोरिडा के लॉडरहिल में सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में रात 8 बजे से खेला जाएगा। पाकिस्तान और आयरलैंड पहले ही सुपर-8 की रेस से बाहर हो चुके हैं। वहीं, आयरलैंड को एक भी जीत नहीं मिली है। पाकिस्तान फिलहाल तीन मैचों में एक जीत और दो हार के साथ तीसरे स्थान पर है। दो पॉइंट अपने नाम करने के बाद, वे आयरलैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने और सांत्वना जीत दर्ज करने की उम्मीद करेंगे। दोनों टीमों के बीच अब तक 4 मैच हो चुके हैं। इसमें से 3 पाकिस्तान जीता, वहीं, 1 आयरलैंड के नाम रहा। दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच इसी साल 14 मई को हुआ, जिसमें पाकिस्तान जीता। वर्ल्ड कप में दोनों टीम दूसरी बार आमने सामने है। साल 2009 में पहली बार दोनों आपस में भिडी थी। पिछले 12 महीनों में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बाबर आजम ने बनाए हैं। उनके नाम 18 मैचों में 628 रन है। वहीं, इस वर्ल्ड कप मोहम्मद रिजवान के नाम सबसे ज्यादा रन है। उन्हों मने 3 मैचों में 93 रन बनाए हैं। वहीं, इस वर्ल्ड कप हारिस रऊफ ने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। उनके नाम 3 मैचों में 6 विकेट है। आयरलैंड के मार्क अडायर फॉर्म में है। इस वर्ल्ड कप आयरलैंड के टॉप स्कोरर है। वहीं, पिछले 12 महीनों में टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट भी लिए हैं। दूसरी ओर एंड्रयू बालबर्नी ने पिछले 12 महीनों में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

एम्बाप्पे ने कहा- फीफा विश्व कप से ज्यादा कठिन है यूरो कप जीतना

जुबानी जंग: फुटबॉलर लियोनल बोले- गलतफहमी में मत रहो

फ्रेंकफर्ट. एजेंसी

मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी और फ्रांस के स्टार खिलाड़ी किलिएन एम्बाप्पे के बीच इन दिनों जुबानी जंग चल रही है। जर्मनी में शुरू हुए यूरो कप से पहले एम्बाप्पे के बयान ने विवाद खड़ा कर दिया। एम्बाप्पे ने कहा कि फीफा विश्व कप की तुलना में यूरो कप जीतना ज्यादा कठिन है। एम्बाप्पे ने कुछ समय पहले दक्षिण अमरीकी फुटबॉल टीमों की प्रतिभा पर भी अंगुली उठाई। जवाब में मेसी ने इसे एम्बाप्पे की गलतफहमी बताते हुए कहा कि दुनिया के हर फुटबॉलर का सपना सिर्फ विश्व कप जीतना होता है। दिलचस्प है कि मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने 2023 विश्व कप के फाइनल में फ्रांस को शिकस्त देकर खिताब जीता था। वहीं फ्रांस टीम के कप्तान एम्बाप्पे ने कहा, मेरा मानना है कि विश्व कप जीतने से ज्यादा कठिन यूरो कप जीतना है। यदि हम टूर्नामेंट के स्तर की बात करें तो भी यूरो ज्यादा

मुश्किल और प्रतिस्पर्धी है क्योंकि इस टूर्नामेंट में भाग लेनी वाली टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलने की आदी हैं। इससे जीत हासिल करना ज्यादा मुश्किल होता है। यह पहली बार नहीं है जब एम्बाप्पे ने दक्षिण अमरीकी टीमों पर टिप्पणी की है। इससे पहले, मई 2022 में उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा था, दक्षिण अमरीका में फुटबॉल यूरोप की तरह उन्नत नहीं है। यही कारण है कि जब आप पिछले कुछ विश्व कप को देखते हैं तो हमेशा यूरोपीय टीमें ही चैंपियन बनती हैं।

तीरंदाजी: भारतीय रिकर्व टीम बढ़त बावजूद हारी

यूक्रेन से हारकर महिला टीम ने पेरिस ओलंपिक कोटा गवांया

अंताल्या, तुर्किये. एजेंसी

दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भकत की भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम को अंतिम ओलंपिक क्वालीफायर के प्री-क्वार्टरफाइनल में बढ़त के बावजूद कम रैंकिंग वाली यूक्रेन से हार झेलनी पड़ी। आठवें नंबर की भारतीय टीम ने 3-1 की बढ़त बना ली थी लेकिन यूक्रेन ने पलटवार करते हुए 5-3 से जीत दर्जकर ली। भारतीय महिला रिकर्व टीम के पास रैंकिंग के आधार पर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई का अभी एक मौका बाकी है।

30 जून तक पंजीयन

8 साल बाद फिर हॉकी इंडिया लीग की होगी शुरुआत

नईदिल्ली. एजेंसी

8 साल के लंबे अंतराल के बाद फिर से हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत होने जा रही है। यह जानकारी हॉकी इंडिया ने दी है। हॉकी इंडिया लीग 2024-25 सत्र में आठ पुरुष और छह महिला टीमें शामिल होगी। इसके लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण की आखिरी तारीख 30 जून 2024 हैं। हॉकी इंडिया ने दिसंबर से फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए शीर्ष 15 देशों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टॉफ को भी आमंत्रित किया है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

फिरोज खान को याद कर छलका दर्द

फरदीन बोले- पिता के जाने के बाद जीवन में खालीपन आ गया

फरदीन खान ने लंबे समय के बाद निर्देशक संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार से मनोरंजन जगत में वापसी की है। इस वेब सीरीज में फरदीन का काम काफी सराहनीय रहा है। अब हाल ही में, अभिनेता ने पिता फिरोज खान को खोने के बाद जीवन में हुए बदलावों का खुलासा किया है और बताया है कि उनके निधन के बाद वह खुद को संभाल नहीं पाए थे। हाल ही में, एक इंटरव्यू में बात करते हुए फरदीन खान ने खुलकर बताया कि उन्हें अपने दिवंगत पिता फिरोज खान की कितनी याद आती है। उन्होंने अपने बचपन को याद करते हुए स्वीकार किया कि पहले वह अपनी भावनाओं को बहुत ज्यादा व्यक्त नहीं करते थे। हालांकि, खुद पिता बनने के बाद उनमें बदलाव आया है। आगे, जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें अपने दिवंगत पिता फिरोज खान की याद आती है, तो फरदीन खान ने कहा कि माता-पिता के जाने से जो खालीपन आता है, उसे कोई नहीं भर सकता। वह अपने पिता से बहुत जुड़ा हुआ महसूस करते हैं, उन्हें लगता है कि वह उनका ही एक हिस्सा हैं। जाहिर है, उन्हें उनकी बहुत याद आती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या फिरोज खान अपनी भावनाओं को अभिनेता के सामने व्यक्त करते थे, तो फरदीन खान ने हंसते हुए कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं। उन्होंने बताया कि उनके पिता हर किसी को बताते थे कि वह उनसे कितना प्यार करते हैं, लेकिन शायद ही कभी सीधे तौर पर उनसे यह व्यक्त करते थे। हो सकता है कि बाद के वर्षों में वह ज्यादा एक्सप्रेसिव हो गए हो, लेकिन वह आम तौर पर बहुत ही संकोची थे।
फरदीन ने आगे बताया कि वह हर कीमत पर अपने परिवार की सुरक्षा के लिए खड़े रहते थे, लेकिन बहुत ज्यादा एक्सप्रेसिव नहीं थे। फरदीन ने कहा कि उनकी मां ने इसकी भरपाई की और उनके साथ उनका एक खूबसूरत रिश्ता है।

जिन्हें किया लॉन्च, उन्होंने नई फिल्म के लिए जवाब तक नहीं दिया: अनुराग

अनुराग कश्यप लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। अलग तरह की कहानियां पेशकर उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। हाल ही में वह महाराजा नाम की फिल्म में बतौर अभिनेता नजर आए थे। वह जल्द ही लोगों के लिए बैड कॉप नाम की सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस शो में वह अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस बीच निर्देशक ने एक साक्षात्कार में इंडस्ट्री के कलाकारों को लेकर एक हैरान कर देने वाला खुलासा किया है। अनुराग ने कहा कि जब उन्होंने दो अभिनेताओं से उनकी नई फिल्म के लिए संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने उन्हें पहले टाला और फिर जवाब देना बंद कर दिया। निर्देशक ने खुलासा किया कि उन दोनों अभिनेताओं को उन्होंने ही लॉन्च किया था। इस बातचीत के दौरान अनुराग ने कहा कि वह उन कलाकारों का सम्मान करते हैं, जो वैध कारण बातकर फिल्म में काम करने से इनकार कर देते हैं। निर्देशक ने कहा कि वह उन लोगों से निराश हैं, जो उन्हें इंतजार करवाते हैं और बाद में संपर्क रखना भी छोड़ देते हैं। उन्होंने कहा, मुझे कुछ लोगों की खूबी पसंद है जो कोई कारण से फिल्म के लिए च्नहींज कह देते हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन जो लोग आपको दो-तीन साल तक इधर-उधर घुमाते हैं और फिर मना कर देते हैं या फिर आपको जवाब देना भूल जाते हैं, ऐसे लोगों से मुझे समस्या है। दो अभिनेता हैं जिन्होंने मेरे साथ अपना करियर शुरू किया और फिर जिस फिल्म में मैं काम कर रहा हूं, उसको लेकर वे जवाब देना भूल गए। उन्होंने हां या न कहने की परवाह भी नहीं की। वे बस भूल गए। बैड कॉप की बात करें तो इस सीरीज में अनुराग के अलावा गुलशन देवैया और हरलीन सेठी भी अहम किरदारों में हैं। सीरीज में दर्शकों को आठ एपिसोड देखने को मिलेंगे। शो का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है।

डिप्रेशन की समस्या से गुजर चुकी हैं पश्मीना रोशन, बोलीं- केवल दोपहर में सो पाती थी

ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। उनकी पहली फिल्म का नाम इश्क विश्क रिबाउंड है। इन दिनों वह फिल्म का जोर शोर से प्रचार कर रही हैं। इस बीच एक साक्षात्कार में उन्होंने अपने मानसिक स्वास्थ्य और अपनी पहली फिल्म को लेकर खुलकर बात की। हाल ही में एएनआई के साथ एक साक्षात्कार के दौरान पश्मीना रोशन ने खुलासा किया कि वह कुछ वर्ष पहले डिप्रेशन की समस्या से जूझ रही थीं। बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि वह इस बात को लेकर भ्रमित थीं कि वह अच्छी अभिनेत्री बन सकती हैं या नहीं। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि डिप्रेशन के दौरान वह केवल दोपहर में सोती थीं।

पश्मीना ने साझा किया कि वह स्कूल में थिएटर ग्रुप का हिस्सा थीं, लेकिन उस समय उन्हें यह नहीं पता था कि आगे उन्हें इस क्षेत्र में करियर बनाना है। अभिनेत्री ने कहा, इसलिए, मैंने मार्केटिंग के लिए यूके में विभिन्न विश्वविद्यालयों में आवेदन किया था। मुझे वीजा भी मिल गया था, कमरे बुक हो चुके थे। उस समय गर्मियों की छुट्टियां चल रही थीं और मैं बहुत उदास थी। मेरे सभी दोस्त पार्टियों में जाते थे और वे सब कुछ करते थे। मैं केवल दोपहर में सोती थी।

पश्मीना रोशन के मुताबिक वह मार्केटिंग में अच्छी नहीं थीं। उन्होंने कहा, मैं मार्केटिंग कोर्स से संतुष्ट नहीं थी। इसके बाद मैंने फोटोशूट कराया और अपने पिता और चाचा को तस्वीरें भेजी। उन्होंने कहा कि हर किसी में कुछ न कुछ होता है, लेकिन आपको उसे निखारना होता है। पश्मीना ने कहा कि इसके बाद उन्होंने अभिनय और नृत्य की कक्षाएं लीं। भरतनाट्यम सहित डांस के विभिन्न रूपों को सीखा और लगातार ऑडिशन दिए। पश्मीना रोशन ने आगे कहा कि उन्हें कई बार रिजेक्ट भी किया गया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अभिनेत्री ने खुद का मूल्यांकन किया और अपने परिवार से मिले फीडबैक पर काम किया, जिससे उन्हें अपनी पहली फिल्म मिलने में मदद मिली। इश्क विश्क रिबाउंड की बात करें तो यह फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

छह साल बाद हो रही बड़े परदे पर वापसी

'स्पेशल ऑप्स 2' से पहले निर्माता-निर्देशक नीरज पांडे का बड़ा इम्तिहान

निर्माता-निर्देशक नीरज पांडे की पिछली फिल्म 'अय्यारी' के छह साल बाद बड़े परदे पर हो रही उनकी वापसी की फिल्म 'औरों में कहां दम था' को लेकर सोशल मीडिया पर अच्छा बज बनता दिख रहा है। तब्बू और अजय देवगन के अलावा फिल्म मे जिमी शेरगिल के किरदार से भी लोगों को काफी उम्मीदें हैं। शांतनु माहेश्वरी और साई मांजरेकर को फिल्म के ट्रेलर में देखकर भी दर्शकों में एक नई उत्सुकता फिल्म को लेकर जागी है। लेकिन, क्या आपको याद है कि इन्हीं दिनों बीते साल फिल्म एक अलग ही कानूनी उलझन में अटकी हुई थी। फिल्म औरों में कहां दम था के बौद्धिक संपदा अधिकारों को लेकर इसे बनाने वाली कंपनी फ्राइडे फिल्मवर्क्स की तरफ से बीते साल जून में जारी पब्लिक नोटिस में कहा गया था कि इस फिल्म के सभी अधिकारों पर पूर्ण स्वामित्व सिर्फ और सिर्फ फ्राइडे फिल्मवर्क्स का ही है। ये कंपनी नीरज पांडे ने अपने पुराने साथी शीतल भाटिया के साथ मिलकर बनाई हुई है। नीरज और शीतल ने इसके अलावा रिलायंस एंटरटेनमेंट स्टूडियोज के साथ मिलकर एक कंपनी प्लान सी स्टूडियोज भी बनाई और पूरा भ्रम इस साझेदारी को लेकर ही रहा। बीते साल की इस नोटिस में फिल्म जगत से अनुरोध किया गया था कि फिल्म औरों में कहां दम था के अधिकारों की खरीद फरोख्त के लिए कोई भी इच्छुक शख्स न तो रिलायंस एंटरटेनमेंट से बात करे और न ही प्लान सी के किसी अधिकारी से। फिल्म को रिलीज करने का सौदा उसके बाद ही एनएच स्टूडियोज से हुआ और फिल्म का ट्रेलर भी एनएच स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर ही जारी हुआ है। ए वेडनेसडे, स्पेशल 26 और एम एस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले लेखक, निर्देशक नीरज पांडे की फिल्म औरों में कहां दम था की शूटिंग का काम बीते साल ही पूरा हो गया था, लेकिन कानूनी अड़चनों के चलते ये फिल्म अब जाकर रिलीज हो पा रही है।

उड़ीसा से भोपाल गांजा लेकर आए थे आरोपी, यहां आसपास खपाने की थी तैयारी

छह आरोपियों से 135 किलो गांजा बरामद, पुलिस ने ट्रैवलर व अर्टिगा वाहन किया जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

क्राइम ब्रांच की टीम ने छह गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 135 किलो गांजा जब्त किया है। आरोपियों से पुलिस ने एक ट्रैवलर और अर्टिका वाहन कार भी जब्त की है। आरोपी उड़ीसा से सस्ती कीमत में गांजा खरीदकर लाए थे आरोपियों को यहां अलग अलग लोगों को गांजे की खेप देनी थी। इससे पहले ही वे क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ गए। पुलिस को गांजा तस्कर गिरोह के सरगना महेन्द्र यादव निवासी विदिशा की तलाश है। वह धरपकड़ की कार्रवाई से फरार हो गया था।

क्राइम ब्रांच के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि ट्रैवलर गाड़ी और आर्टिका कार में कुछ आदमी बड़ी मात्रा में उड़ीसा से जबलपुर होते हुए भोपाल पहुंचे हैं और वे शाम को जंबूरी मैदान में पहुंचेगे। क्राइम ब्रांच की टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी और निर्देश मिलने के बाद इलाके की घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस को सफेद रंग की ट्रैवलर गाड़ी और अर्टिका नजर आई। ट्रैवलर और अर्टिका गाड़ी में बैठे सभी संदेहियो को पुलिस ने हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम मोहम्मद उबेश पिता फारुक (36) गैस राहत कॉलोनी, हाउसिंह बोर्ड करोंद, निशातपुरा भोपाल तथा ड्रायवर सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम रितेश प्रजापति पिता महेश प्रजापति (30) निवासी नाथ मोहल्ला श्यामपुर, जिला सीहोर और ड्रायवर सीट के पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम सतीश राजपूत पिता ज्योति सिंह राजपूत (32)निवासी शंकर नगर दशहरा मैदान चादर फैक्ट्री पास छोलामंदिर और गोपाल सिंह यादव पिता राम सिंह यादव (42) साल निवासी गिरधर कालोनी मिजार्पुर बायपास रोड विदिशा बताया। इनके साथ एक अन्य आरोपी समशेर अली पिता सैय्यद शौकल (50)कोलीपुरा, बरखेड़ी डी मार्ट के पीछे जहांगीराबाद और नाबालिग था। तलाशी लेने पर ट्रैवलर की छत में बनाये गए पेटीनुमा बॉक्स में 70 पैकेट गांजा मिला। आरोपियों ने पैकेट पर टेप लगाकर उसे पैक कर दिया था। पुलिस ने कुल 70 पैकेट गांजा बरामद किया है। पुलिस आरेपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई कर पूछताछ कर रही है।

पहले युवती से लिव-इन फिर सगाई के बाद शादी से मुकरा

दहेज में दस लाख की डिमांड करने पर थाने पहुंचा प्रकरण, महिला थाना पुलिस ने बलत्कार, देहज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अवधपुरी थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुष्कर्म करने वाला आरोपी भी इंजीनियर है और कॉलेज टाइम में उसकी पीड़िता से पहचान हुई थी। दोनों हैदराबाद में लिव इन रिलेशन में रहे और सगाई भी कर ली, लेकिन अब आरोपी शादी से पूर्व उसने दहेज में दस लाख रुपए की डिमांड कर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश देने की कोशिश की, लेकिन आरोपी नहीं माना। लिहाजा पुलिस ने बलात्कार, दैहिक शोषण और दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करना पड़ा। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार 27 साल की युवती अवधपुरी इलाके में रहती है। वर्ष 2017-18 में बिहार से इंजीनियरिंग करने आए प्रवेश कुमार (परिवर्तित नाम) भोपाल आया था। वह युवती के मकान के बगल में किराए से रह रहा था। दोनों की दोस्ती हुई और मोबाइल पर बातचीत होने लगी। बातचीत होने के कारण दोनों के बीच प्रेम प्रसंग शुरू हो गया था। इसी बीच प्रवेश हैदराबाद शिफ्ट हो गया और युवती से मिलने भोपाल आने लगा। 3 जून 2018 को वह भोपाल आया और युवती के समक्ष प्रेम प्रस्ताव रखा। युवती ने उसे मना कर दिया था। 10 जून 2018 को आरोपी दौबारा युवती से मिला और उसे लेकर अपने दोस्त के रूम पर पहुंचा था। वहां उसने युवती को शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाए।

हैदराबाद में रहते थे साथ

आरोपी के कहने पर युवती हैदराबाद पहुंच गई थी उसने मैनेजमेंट की पड़ाई की थी और ठीक ठाक कमा रही थी। आरोपी भी हैदराबाद में जॉब करता था और दोनों लिव इन रिलेशन में रहने लगे। यह बात परिजन को पता चली और परिजन ने दोनों की सगाई करा दी। युवती की पिता ने सगाई में ही करीब बीस बाइस लाख रुपए खर्च किए थे। नवंबर 2022 में दोनों की शादी होनी थी, लेकिन आरोपी ने शादी कैंसिल करते हुए और समय मांगा। वर्ष 2023 में युवती ने शादी का दबाव बनाया तो वह कहने लगा कि दहेज में दस लाख रुपए की व्यवस्था कर लो शादी कर लूगा। दहेज की मांग करने पर युवती ने महिला थाना पुलिस को शिकायती आवेदन दिया था। पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाया और काउंसलिंग की, लेकिन आरोपी ने शादी से इंकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

बदमाश पर है पंद्रह अपराध दर्ज, पुलिस कर चुकी थी बाउंड ओवर कार्रवाई

अड़ीबाजी करने वाला आदतन गिरफ्तार, पुलिस ने शहर में निकाला जुलूस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित शुक्ला क्रशर बस्ती में आदतन बदमाश ने अपने सगे भाई के साथ मिलकर एक युवक से शराब के लिए अड़ीबाजी कर दी। शराब के लिए रुपए नहीं देने पर आरोपी ने युवक हाथ मुक्कों से मारपीट भी की। पुलिस ने उक्त मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके सगे भाई की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार शुक्ला क्रशर बस्ती निवासी नत्थू विश्वकर्मा ने शिकायत करते हुए बताया कि 4 जून की रात करीब 9 बजे वह अपने घर के सामने बैठे हुए थे, जबकि उनका बेटा जितेन्द्र विश्वकर्मा घर से कुछ दूरी पर नीम के पेड़ के नीचे चबूतरे पर बैठा था। इस दौरान मोहल्ले के रहने वाले राहुल अहिरवार उर्फ बंटू उर्फ मन्टू और उसका भाई अरविन्द अहिरवार शराब के नशे में पहुंचे। आरोपियों ने उनके बेटे जितेन्द्र से शराब पीने के लिए पांच सौ रुपए की अड़ीबाजी की। जितेंद्र ने पैसे नहीं होने की बात कही तो वह भड़क गए और गालीगलौज करते हुए लात मुक्को से मारपीट करने लगे। नत्थू अपने बेटे को बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने उनसे भी गालीगलौज की थी। घटना की शिकायत उन्होंने शुक्रवार रात थाने पहुंचकर की थी। पुलिस ने शिकायत पर मारपीट, अड़ीबाजी समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर करते हुए मुख्य आरोपी 28 साल के राहुल अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी राहुल के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट, आर्म्स एक्ट समेत पंद्रह अपराध दर्ज है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी है। आरोपी से इलाके के लोगों में भय का माहोल होने के कारण आरोपी राहुल को जुलूस निकाला गया और उसे कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस उक्त प्रकरण में उसके भाई अरविंद की तलाश कर रही है।

हमीदिया अस्पताल से डॉक्टर की बाइक ले उड़े बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हमीदिया अस्पताल परिसर से चोर डॉक्टर की बाइक चुराकर ले गए। चोरों ने कई अन्य स्थानों से भी दोपहिया वाहन चोरी हुए हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक चंद्रकेश यादव (32) मूलतः गोरखपुर उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। फिलहाल वह ईदगाह हिल्स में रहते हैं और हमीदिया अस्पताल के गेस्ट्रो विभाग में डॉक्टर हैं। चंद्रकेश अस्पताल ने अपनी बाइक कमला नेहरू अस्पताल के सामने खड़ी की और ड्यूटी पर चले गए। दोपहर डेढ़ बजे वापस पहुंचे तो बाइक गायब थी। चंद्रकेश ने थाने पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर, बजरिया थानांतर्गत शंकराचार्य नगर में रहने वाले सीताराम पाल सब्जी की दुकान चलाते हैं. पिछले दिनों उन्होंने अपनी बाइक घर के सामने खड़ी की थी। अगली सुबह देखा तो बाइक नहीं थी। आसपास तलाश करने के बाद भी जब बाइक नहीं मिली तो थाने पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी प्रकार ऐशबाग स्थित अभिरुचि परिसर में रहने वाले सुरेश कुमार, अंबेडकर नगर से भीमराव, एमपी नगर जोन क्रमांक एक से सुरेंद्र गौर, रेलवे स्टेशन के पास हबीबगंज से विनोद सिंह, मछली मार्केट पिपलानी से रूपसिंह और दीक्षा नगर बागसेवनिया से रोहित की बाइक चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

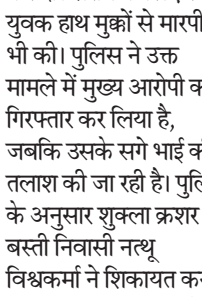

बच्ची को बाइक ने मारी टक्कर

भोपाल। स्टेशन बजरिया स्थित चांदबड़ इलाके में सड़क पार कर रही बालिका को तेज रफ्तार बाइक चालक ने टक्कर मार दी, जिससे बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस के मुताबिक हिना खान (30) चांदबड़ बजरिया में रहती हैं और गृहणी हैं। गुरुवार रात उनकी बेटी रुकसार दुकान पर सामान लेने जा रही थी। घर के पास सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक चालक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसके सिर और शरीर में गंभीर चोट आई। घायल बालिका को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कांबिंग गश्त

भोपाल। बीती रात राजधानी में पुलिस ने कांबिंग गश्त की। इस दौरान कई वारंटियों व बदमाशों की धरपकड़ हुई।

सोशल मीडिया पर चल रहा पुलिस आरक्षक भर्ती शारीरिक दक्षता परीक्षा का फेक आदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सोशल मीडिया पर पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा का द्वितीय चरण शारीरिक दक्षता का आदेश तेजी से वायरल हो रहा है। इसे पुलिस मुख्यालय द्वारा फर्जी आदेश बताया गया है। पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि ऐसा कोई भी आदेश मुख्यालय ने जारी नहीं किया है जो आदेश सोशल मीडिया पर चल रहा है कि वह कूटरचित है। अपील में यह भी कहा गया कि अफवाहों पर ध्यान न दें और ऐसे संदेशों को प्रसारित न करें।

ससुराल से प्रताड़ित महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सुसाइड नोट में ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित सी-सेक्टर सर्वधर्म कॉलोनी में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह यहां अकेले किराए से रहती थीं। मकान मालिक ने उन्हें फंदे पर देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। सुसाइड नोट में ससुराल की प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या करने का जिक्र किया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से मनगंवा रीवा निवासी अंजली शुक्ला (36) यहां सी-सेक्टर सर्वधर्म कॉलोनी कोलार में किराए के मकान में रहती थीं और पंडित खुशीलाल पंचतत्व विभाग में नौकरी करती थीं। शनिवार सुबह करीब साड़े दस बजे मकान मालिक ने अंजली शुक्ला को फंदे पर लटका देख पुलिस को सूचना दी। एसआई जितेन्द्र केवट का कहना है घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें महिला ने ससुराल पक्ष को लेकर पूरी कहानी लिखी है। फिलहाल इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि महिला पति से अलग रहती थीं या उनका तलाक हो चुका था। काफी दस्तावेज खंगालने के बाद पुलिस को महिला का नाम और परिजन के बारे में जानकार मिल सकी। मृतका के पिता से मोबाइल पर बात हुई है। वह रविवार को भोपाल पहुंचेगे। परिजन से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बरखेड़ा पठानी में दिनदहाड़े सूने मकान से लाखों की चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित शांति नगर अपार्टमेंट बरखेड़ा में दिनदहाड़े सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश नकदी, जेवरात समेत करीब एक लाख रुपए का माल चुराकर ले गए। बदमाशों ने एक अन्य वारदात छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित पूर्णधाम कॉलोनी खेजड़ा में भी की। बदमाश यहां से भी सोने चांदी के जेवरात और नकदी लेकर गए हैं। बदमाशों ने यहां से बड़ी मात्रा में गोल्ड चोरी किया है। पुलिस के अनुसार राखी शुक्ला शांति अपार्टमेंट बरखेड़ा में रहती है। शनिवार सुबह वह निजी काम से बाहर गई थी। वहां से शाम को लौटी तो मुख्य गेट का ताला टूटा मिला। अंदर देखा तो घर का सामान बिखरा पड़ा था। बदमाश घर के लॉकर से नगदी व जेवरात चुराकर ले गए। पुलिस का कहना है कि राखी द्वारा चोरी गए जेवरातों के बिल नहीं दिखाए गए हैं लिस्ट सौंपी है। इसी प्रकार पूर्णधाम कॉलोनी खेजड़ा निवासी विनोद विश्वकर्मा ने बताया कि 11 जनू की शाम वह परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। शनिवार सुबह वह भोपाल अपने घर लौटे तो पता चला कि घर में चोरी हो हो चुकी है।

आर्मी एरिया में सोलर पैनल काट रहे बदमाश को सेना के हेड कांस्टेबल ने दबोचा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा स्थित आर्मी एरिया में घुसकर सोलर पैनल की केबिल काट रहे एक बदमाश को सेना के हेड कांस्टेबल ने दबोच लिया। इस दौरान उसके दो अन्य साथी मौके से भाग निकले। दबोचे गए बदमाश को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके साथियों का पता लगा रही है। जानकारी के अनुसार मंगलेश कुमार (41) आर्मी में नायब सूबेदार हैं और द्रोणांचल बेस आर्मी कैंप में पदस्थ हैं। शुक्रवार-शनिवार की रात वह अपने साथियों के साथ नाईट ड्यूटी पर थे। देर रात मंगलेश प्रायवेट चौकीदार सीताराम के साथ आर्मी कैंप के अंदर पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी बीच नजर पड़ी तो एक अज्ञात व्यक्ति सोलर पैनल की केबिल वायर काटते हुए नजर आया। उसके साथ दो अन्य व्यक्ति भी दिखाई दिए। मंगलेश और अन्य लोगों ने दौड़ लगाकर एक व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि दो साथी अंधेरे में भाग निकले। पकड़े गए व्यक्ति के साथ सोलर पैनल के काटी गई कैबिल और टेलीफोन की केबल वायर मिली। पूछताछ करने पर पहले तो उसने गुमराह करने का प्रयास किया, बाद में अपना नाम मोहम्मद अल्फेज निवासी गोंगीपुरा थाना गांधी नगर बताया। आर्मी वालों ने उसे कोहेफिजा पुलिस के हवाले कर दिया है।

मेट्रो एंकर देर रात अज्ञात बदमाशों ने किया हमला

मिर्च पाउडर झोंककर युवक के गाल पर मारा चाकू

भोपाल, दोपहर मेट्रो। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित द्वारिका नगर पुलिया के पास शुक्रवार देर रात घर लौट रहे बाइक सवार युवक की आंखों में स्कूटर सवार दो बदमाशों ने मिर्च पावडर झोंक दिया। युवक ने आरोपियों का विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमला उसने हाथ से रोक लिया था, लेकिन दूसरा वार उसे गाल के पास लगने से गाल कट गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार द्वारिका नगर निवासी मयंक सेन पड़ाई करता है। शुक्रवार की रात करीब 11 बजे वह प्रभात चौराहा स्थित जिम से घर लौट रहा था। मयंक जैसे ही द्वारिका नगर स्थित नाले के पास पहुंचा, तभी पीछे से आए स्कूटर सवार दो युवक उसके बगल में चलने लगे। इसी बीच एक युवक ने मंयक की आंखों में मिर्च पावडर झोंक दिया, जिससे उसे जलन होने लगी। मयंक ने साइड में बाइक रोकी तो स्कूटर सवार दोनों युवक भी रुक गए। एक युवक चेहरे पर मास्क लगाए था, जबकि दूसरा बिना मास्क के था। मयंक ने उनसे पूछा कि आंखों में क्या डाल दिया तो दोनों गाली-गलौज करने लगे। उसने गाली देने का विरोध किया तो एक युवक ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। मयंक ने हाथ उठाकर वार रोका तो बदमाश ने दूसरा वार उसके गाल पर कर दिया, जिससे गाल कट गया और खून निकलने लगा। उसके बाद दोनों बदमाश स्कूटर पर बैठकर वहां से भाग निकले। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजन मयंक को लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने मेडिकल कराने के बाद अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022